हिन्दी-5

1. सबसे पहले प्यार बनाया

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स), 2. (द), 3. (अ), 4. (ब), 5. (स)।

पढ़कर जाने–

1. प्यार, अंबर, सागर, वसुधा, संतों, टिमटिम, नाता।
2. 1. सार, 2. टिमटिमाते, 3. प्यार, 4. ईश्वर, 5. प्रेमपूर्वक।

आओ बात करें–

1. प्रेम के कारण ही धरती और आकाश एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।
2. प्यार के बाद संसार में धरती-आकाश, नदी, समुद्र, चाँद-तारे, पेड़-पौधे, फूल-कलियाँ, जीव-जन्तु आदि बने हैं।
3. चंद्रमा धरती पर शीतलता का अमृत बरसाता है।
4. संतों ने प्रेम को सर्वोच्च माना है और इसे जीवन की जरूरी भावना बतलाया है।
5. पर्वतों को कवि ने पहरेदार इसलिए कहा है क्योंकि ये शत्रुओं से हमारे देश और सीमाओं की रक्षा करते हैं।
6. प्यार से बिगड़ी बातें बन जाती हैं। प्यार से लोग एक-दूसरे के साथ खड़े हो जाते हैं और सहयोग की भावना से असंभव काम भी संभव हो जाते हैं। इस प्रकार प्यार से सभी समस्याएँ सुलझ जाती हैं।
7. प्यार से ही संसार में शांति, सहयोग और मानवीय संवेदना बनी रहती है। इसलिए संसार में प्यार का होना जरूरी है।

सोचो और लिखो–

1. प्रेम के द्वारा ही सभी लोग एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। प्रेम ही सम्पूर्ण संसार का सार है।
2. **प्रकृति**– ईश्वर ने संपूर्ण प्रकृति का निर्माण किया है।
   मनमानी–बच्चों को मनमानी नहीं करनी चाहिए।
   सृष्टि–सारी सृष्टि प्रेम द्वारा ही चलती है।
3. पहाड़ शत्रुओं से हमारी रक्षा करते हैं। हमारे सैनिक इनके माध्यम से शत्रुओं पर नियंत्रण रख पाने में सक्षम हो पाते हैं। इसलिए पहाड़ों को प्रहरी कहा गया है।
4. कविता में नानी ने बताया है कि ईश्वर ने जब संसार की रचना की तो सबसे पहले प्रेम की रचना की।
5. (i) यह संसार किसने बनाया? (ii) इस कविता में प्रकृति के कौन-कौन से उदाहरण आए हैं?
6. महापुरुषों ने प्रेम को सर्वोच्च मानते हुए इसे जीवन की सबसे जरूरी भावना बताया है। इसीलिए आवश्यक मानकर ईश्वर ने सर्वप्रथम प्रेम की रचना की है।
7. **मूलभाव**—संसार में प्रेम सबसे महत्वपूर्ण है। प्रेम के द्वारा ही जीवन में समरसता आती है। इस बात को समझते हुए ईश्वर ने सर्वप्रथम प्रेम का निर्माण किया। ये धरती, अंबर, नदी-सागर, पेड़-पौधे, जीव-जन्तु, सभी प्रेम के द्वारा ही एक-दूसरे से जुड़े हैं। अत: प्रेम ही जगत का सार है।

मेरी बात सबकी बात–

प्रबल प्रेम के पाले पड़कर,
प्रभु को नियम बदलते देखा।
उनका मान टले टल जाये,
भक्त का मान न टलते देखा।

आओ रचना करें–

हाँ, हमारी दादी हमें बचपन में कविता सुनाती थीं, वह है–

जिसने सूरज चाँद बनाया,
जिसने तारों को चमकाया,
जिसने सारा जगत बनाया,
हम उस ईश्वर के गुण गाएँ,
उसे प्रेम से शीश झुकाएँ।

नोट—छात्र अपने दादा/दादी द्वारा सुनाई गई-ऐसी ही कहानी/कविता लिखें।

भाषा की बात–

1.

विजय	जीत
परिश्रम	मेहनत
उत्साह	जोश
सहनशीलता	धैर्य
आनंद	खुश

2. 1. (v), 2. (iv), 3. (i), 4. (ii), 5. (iii).

3. (i) (य), (ii). (द), (iii) (अ), (iv) (स), (v) (ब)।

यह भी करें–

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।
3. यदि हमें अपने दादा-दादी या परिजनों को कोई सुझाव देना हो तो हम अपनी बात उनके समक्ष बड़े उदार और तर्कपूर्ण तरीके से रखेंगे जिससे वे प्रभावित होकर हमारी बात मान जाएँ और हमसे सहमत हो जाएँ।
4. मेरे सपनों की दुनिया में सभी मनुष्य और प्रकृति आपस में प्यार और सहयोग से रहेंगे। मनुष्यों के बीच घृणा-नफरत नहीं रहेगी। हरे-भरे जंगल, साफ नदियाँ और स्वच्छ वातावरण होगा। एक-दूसरे से प्रेम करते हुए वसुधैव कुटुंबकम् की सूक्ति का पालन करके एक आदर्श दुनिया का निर्माण करेंगे।
6. (क) कौन सिखाता है चिड़ियों को सुबह सहज उठ जाना।

   (ख) कौन सिखाता है उनको ये सुंदर गीत सुनाना।
7. (क) कुदरत का यह खेल, जिसे समझ नहीं हम पाते।

   (ख) उसकी आज्ञा पाकर, पक्षी आकर सुंदर गीत सुनाते।

2. मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (द), 2. (स), 3. (ब), 4. (अ), 5. (अ)।

सोचो और लिखो–

1. (द), 2. (स), 3. (ब)।

रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. मर्यादा पुरुषोत्तम, 2. अन्याय, अधर्म, 3. चौदह, 4. आज्ञा का पालन।

उचित शब्द चुनकर रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए-

1. त्याग, 2. स्नेह, 3. सौतेली, 4. हरण, 5. रामराज्य।

सही सुमेलन कीजिए–

1. (iv), 2. (v), 3. (i), 4. (ii), 5. (iii).

आओ बात करें–

1. श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम इसलिए कहा गया है क्योंकि उन्होंने जीवन-भर धर्म और आदर्शों का पालन किया।
2. प्राचीन समय में गुरुकुल में ऋषि-मुनि शिष्यों को अपने समक्ष रखकर उनके परिवार का हिस्सा बनकर शिक्षा प्रदान करते थे।
3. वनवास के दौरान श्रीराम को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा होगा। उन्हें राक्षसों तथा हिंसक पशुओं से स्वयं की रक्षा करनी पड़ी होगी। काँटों तथा कंकरीली भूमि पर चलना पड़ा होगा। फल-फूल आदि खाकर जीवन बिताना पड़ा होगा।
4. श्रीराम के अयोध्या लौटने पर नगरवासियों ने उनके स्वागत में घी के दीप जलाए होंगे। खुशियाँ मनाई होंगी।
5. श्रीराम ने राक्षसों का वध करके यज्ञों की रक्षा की जिससे राक्षसों द्वारा आतंकित वन में शांति स्थापित हुई।
6. छात्र स्वयं करें।
7. छात्र स्वयं करें।
8. श्रीराम द्वारा किए गए राक्षसों के वध से हमें यह संदेश मिलता है कि अन्याय और अधर्म के विरुद्ध खड़े होना प्रत्येक व्यक्ति का धर्म है।

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक या दो पंक्तियों में दीजिए-

1. श्रीराम की माँ का नाम कौशल्या था।
2. श्रीराम का चरित्र हमें सिखाता है कि सच्चाई और न्याय के मार्ग पर चलना ही श्रेष्ठ जीवन का आधार है।
3. शिवधनुष का अर्थ—शिवजी द्वारा प्रदान किए गए धनुष से है।
4. लंका विजय में श्रीराम का सहयोग बंदरों, भालुओं, हनुमान, सुग्रीव, विभीषण तथा देवताओं आदि ने किया।
5. यज्ञ विध्वंश राक्षस कर देते थे।
6. ऋषि विश्वामित्र श्रीराम और लक्ष्मण को राजा दशरथ से जंगल में रहने वाले राक्षसों से ऋषि-मुनियों की रक्षा करने के लिए ले गए।
7. श्रीराम के गुरु वशिष्ठ जी थे।
8. रामराज्य में सभी लोग सुखी और सुरक्षित थे और न्याय का पालन किया जाता था।
9. श्रीराम अपने भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता के साथ वन गए।

भाषा की बात–

1. (क) महान, (ख) कठिन।
2. 1. रोचक, 2. ईमानदार, 3. सुंदर, सुगंधित, 4. तेज, 5. मेहनती।
3. 1. प्राचीन, 2. पुत्र, 3. साहसी, 4. कार्य, 5. मार्ग।

यह भी करें–

1. जब श्रीराम के राज्याभिषेक की तैयारी हो रही थी। राजा दशरथ ने श्रीराम को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था। अयोध्या में बड़े उल्लास से राज्याभिषेक की तैयारियाँ हो रही थीं। तभी उनकी सौतेली माँ कैकेयी ने पूर्व में राजा दशरथ द्वारा दिए दो वर दासी मंथरा के द्वारा भड़काए जाने पर माँग लिए–
   - पहला वर—भरत को राजा बनाया जाए।
   - दूसरा वर—राम को चौदह वर्ष का वनवास दिया जाए।

   राजा दशरथ कैकेयी से बहुत प्यार करते थे, लेकिन वे राम से भी बहुत स्नेह करते थे। फिर भी वे वचनवद्ध थे, इसलिए दु:खी मन से उन्होंने राम को वनवास भेजने का निर्णय ले लिया।

   श्रीराम ने पिता के वचनों और धर्म की रक्षा हेतु बिना विरोध के वन जाना स्वीकार कर लिया।

   इस प्रकार, जिस दिन श्रीराम का राज्याभिषेक होना था उसी दिन उन्हें वन के लिए प्रस्थान करना पड़ा और श्रीराम का राज्याभिषेक अचानक वनवास में बदल गया।
2. हम अपनी कक्षा के साथ विद्यालय को सजाने के लिए निम्नलिखित कार्य करेंगे—
   1. अपने विद्यालय की साफ-सफाई करेंगे।
   2. सुंदर रंगोली बनाएँगे तथा स्वागत द्वार को फूलों से सजाएँगे।
   3. मंच की सुंदर आकर्षक व्यवस्था करेंगे।
   4. अतिथियों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था करेंगे।
3. **सीता स्वयंवर—** मिथिला के राजा जनक ने अपनी पुत्री सीता के विवाह के लिए स्वयंवर आयोजित किया। जिसमें उन्होंने शर्त रखी थी कि जो शिव धनुष की प्रत्यंचा चढ़ा देगा उसी के साथ सीता का विवाह होगा। अनेक राज्यों के राजकुमार और राजा उस स्वयंवर में उपस्थित थे, लेकिन कोई भी सफल नहीं हो सका। अंत में श्रीराम ने धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाई और सीता से विवाह किया।

   हनुमान जी द्वारा संजीवनी लाना— राम-रावण युद्ध के दौरान मेघनाद ने लक्ष्मण के ऊपर शक्ति बाण चलाकर उन्हें मूर्छित कर दिया। लंका के वैद्य सुषेण ने बताया कि दूर द्रोणागिरि पर पाई जाने वाली संजीवनी बूटी से लक्ष्मण के प्राण बचाए जा सकते हैं। लेकिन समय बहुत कम है। अत: सूर्योदय से पूर्व ही यह बूटी लानी होगी। इस असंभव कार्य को करने का साहस कोई नहीं कर सका। अंत में हनुमान प्रभु श्रीराम की आज्ञा पाकर सूर्योदय से पूर्व ही संजीवनी बूटी लेकर आए, जिससे लक्ष्मण के प्राण बचाए जा सके।

   (छात्र इस प्रकार की चर्चा करें)
4. एक राजा को अपनी प्रजा के कल्याण हेतु कई बातों का ध्यान रखना चाहिए। मुख्य रूप से राजा को न्यायप्रिय, दयालु और प्रजापालक होना चाहिए। उसे अपनी प्रजा के सुख-दुख का ध्यान रखना चाहिए और उसके कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

   अपनी सुख-सुविधाओं के लिए राजा को अपनी प्रजा का शोषण नहीं करना चाहिए। राजा को अपनी प्रजा के प्रति पिता और पुत्र के समान व्यवहार करना चाहिए। अपनी प्रजा के साथ सहानुभूति रखनी चाहिए।

   इसके अतिरिक्त प्रजा की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए राजा को तत्पर रहना चाहिए। उसे अपनी प्रजा के प्रति निष्ठावान और समर्पित होना चाहिए तथा उसके हितों के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

3. गौ-रक्षक लोक देवता

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स), 2. (द), 3. (अ), 4. (स), 5. (ब)।

सोचो और लिखो–

1. (द)।
2. (अ) **गौ-रक्षक—** गायों की रक्षा करने वाले।

वाक्य-प्रयोग— गाँव में दीनू चाचा एक सच्चे गौ-रक्षक हैं जो गायों की सेवा के लिए दिन-रात तत्पर रहते हैं।

(ब) **बलिदान—** किसी महान उद्देश्य के लिए अपने प्राण या प्रिय वस्तु का त्याग।

वाक्य-प्रयोग— देश की आजादी के लिए अनेक वीरों ने अपना बलिदान दिया।

(स) **समर्पित—** पूरे निष्ठा भाव के साथ किसी कार्य के लिए अर्पित होना।

वाक्य-प्रयोग— गीता शिक्षण कार्य के लिए पूरी तरह समर्पित है।

(द) **जिज्ञासा—** जानने की इच्छा।

वाक्य-प्रयोग— पौराणिक कथाओं के प्रति रोहन की जिज्ञासा उसे कुछ नया जानने के लिए प्रेरित करती है।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. रक्षक, 2. विवाह, 3. विद्यालय, 4. स्वादिष्ट, 5. सड़क।

सही सुमेलन कीजिए—

1. (iii), 2. (v), 3. (ii), 4. (i), 5. (iv)।

अनुमान लगाइए—

1. यदि मीरा के घर में गाय न होती तो खीर बनाने के लिए दूध दूधिया (दूध का व्यवसाय करने वाला) अथवा डेयरी से आता।
2. हम पालतू जानवरों की देखभाल उन्हें समय से चारा-पानी देकर करते हैं। उनके बीमार पड़ने पर डॉक्टरों से सलाह लेते हैं तथा जरूरत पड़ने पर इलाज करवाते हैं।
3. शहरों में कोल्ड स्टोरेज के जरिए दूध भेजा जाता है। दूधिया लोग मुनाफा लेकर शहरों में दूध पहुँचाते हैं तथा शहरों में भी बड़े-बड़े तबेलों में गायें-भैंसें रखी जाती हैं।
4. गाँवों में पशु आवश्यकता, चारा-पानी, परंपरा और आर्थिक स्थिति के आधार पर पाले जाते हैं। लोग दूध, खेती करने तथा व्यवसाय आदि के लिए पशुपालन करते हैं।
5. बीमार पशुओं के इलाज के लिए पशु अस्पताल, टीकाकरण, दवाइयाँ, डाक्टरों की टीम, मोबाइल वैन सेवाएँ, पशु मेले और सरकार द्वारा मुफ्त इलाज योजनाएँ चलाई गई हैं।

आओ बात करें-

1. सुबह उठते ही पिताजी ने मीरा से बाड़े में जाकर गाय को चारा, पानी देने को कहा।
2. घर में खीर बनाने की तैयारी चल रही थी।
3. तेजाजी का जन्म राजस्थान के नागौर जिले के खरनाल गाँव में हुआ था। बचपन से ही तेजाजी में वीरता और साहस के गुण थे। उन्होंने अपना जीवन गायों की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। इसलिए उन्हें गौ-रक्षक देवता माना जाता है।
4. गोगाजी ने आक्रमणकारियों को मार गिराया लेकिन अंततः शहीद हो गए।
5. विद्यालय में गुरुजी ने दूध से मिलने वाले प्रोटीन, कैल्शियम, फास्फोरस और विटामिन जैसे पोषक तत्व बताए।
6. गुरुजी ने दूध और खीर की पौष्टिकता के बारे में समझाया।
7. खीर बनाने के लिए दूध, चावल, गुड़ या चीनी, साथ में सूखे मेवे आदि चाहिए।
8. तेजाजी गौ-रक्षक के रूप में इसलिए पूजे जाते हैं क्योंकि उन्होंने गायों की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया था।
9. छात्र अपने क्षेत्र के अनुसार लोक देवी-देवताओं की चर्चा आपस में कर सकते हैं।
10. स्कूल जाते समय मीरा को रास्ते में उसकी सहेलियाँ सीमा और राधा मिल गईं। मीरा ने उनके सामने खीर के भोग और लोक देवताओं के बारे में बातचीत की।
11. टीना ने गुरुजी से पूछा, "गुरुजी गाँव में तो लोग अपने घरों में गाय-भैंस पालते हैं, लेकिन शहरों में दूध कहाँ से आता है?"
12. गुरुजी ने बताया कि शहरों में बड़े-बड़े तबेले होते हैं जहाँ गायें और भैंसें रखी जाती हैं। वहाँ से दूध ग्राहकों तक भेजा जाता है। गाँवों में भी कोल्ड स्टोरेज के जरिए दूध शहरों में भेजा जाता है। मशीनों द्वारा उनकी

पैकिंग की जाती है और फिर वह ग्राहकों तक पहुँचता है। दूध एवं दूध से बने उत्पादों के व्यवसाय को 'डेयरी उद्योग' कहा जाता है।

भाषा की बात–

1. **दूध की नदियाँ बहना—** सम्पन्नता होना।
वाक्य-प्रयोग— पुराने समय में हमारा देश इतना सक्षम था कि यहाँ दूध की नदियाँ बहती थीं।
दूध का दूध पानी का पानी— न्याय करना।
वाक्य-प्रयोग— न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की बातें सुनीं और दूध का दूध पानी का पानी कर दिया।

2. (क) गाय खेत में चर रही है। (एकवचन)
गायें खेतों में चर रही हैं। (बहुवचन)
(ख) बच्चे दूध पीते हैं। (बहुवचन)
बच्चा दूध पीता है। (एकवचन)
(ग) मंदिर में दीपक जल रहा था। (एकवचन)
मंदिरों में दीपक जल रहे थे। (बहुवचन)

3. (क) पिताजी कहानी सुना रहे हैं। (पुल्लिंग)
माताजी कहानी सुना रही हैं। (स्त्रीलिंग)
(ख) मालिन माला बना रही थी। (स्त्रीलिंग)
माली माला बना रहा था। (पुल्लिंग)
(ग) गाय चारा खा रही है। (स्त्रीलिंग)
बैल चारा खा रहा है। (पुल्लिंग)
(घ) बंदर पेड़ पर कूद रहा है। (पुल्लिंग)
बँदरिया पेड़ पर कूद रही है। (स्त्रीलिंग)

5. (क) वर्तमान काल, (ख) भूतकाल, (ग) भविष्य काल।

रचनात्मक प्रश्न–

छात्र स्वयं करें।

संवाद लेखन–

छात्र स्वयं करें।

वर्ग पहेली–

दूध से बनी चीजों के नाम—छाछ, दही, पनीर, रबड़ी, मावा, दूध।

दूध से बनी चीजों के अलावा अन्य शब्द—छाता, नीर, बड़ी, तारा, छलनी, हीरा।

यह भी करें–

1. **नोट—** छात्र लोक देवी-देवताओं पर आधारित लोकगीतों का संकलन करें।

2. हम ऐसे लोगों से यही संदेश देंगे कि कृपया अपनी गायों को सड़कों पर आवारा न छोड़ें। ये पशु न केवल खुद के लिए संकट बनते हैं, बल्कि राहगीरों के लिए भी दुर्घटना का कारण बनते हैं। यदि आप उनकी देखभाल नहीं कर सकते तो उन्हें गौशाला या पशु-सेवा संस्थानों को सौंपें। पशु सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है। इसे अनदेखा न करें।

4. पुष्कर मेला

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ), 2. (ब), 3. (अ), 4. (स), 5. (ब)।

सोचो और लिखो–

सही विकल्प का चयन कीजिए-

1. (स), 2. (ब)।

रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. कार 2. हेलिकॉप्टर 3. विश्वप्रसिद्ध 4. गाड़ी 5. आयोजन।

रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. ऊँटों 2. ताकत, तकनीक।

सही सुमेलन कीजिए—

1. (iii), 2. (i), 3. (v), 4. (ii), 5. (iv)।

आओ बात करें–

1. पुष्कर मेले को खास इसलिए माना जाता है क्योंकि यह धर्म और संस्कृति से जुड़ा विश्वप्रसिद्ध मेला है।

2. मेरे शहर में एक बड़ा प्रसिद्ध मेला लगता है। यह दशहरे के बाद लगता है। इस मेले में सुंदर राम-लक्ष्मण की झाँकियाँ निकलती हैं। यहाँ राम-रावण युद्ध देखने में बड़ा ही आनन्द आता है। रात में यहाँ रामलीला का आयोजन होता है। यहाँ पर दूर-दूर से लोग आते हैं और जरूरत की वस्तुएँ ले जाते हैं। इस मेले को देखने की उत्सुकता मेरे मन में हमेशा बनी रहती है।

3. हम मेले में जाने से पहले अच्छी-अच्छी पोशाकें पहनते हैं। साथियों के साथ योजना बनाते हैं। घर में माता-पिता को मेला देखने जाने के लिए राजी करते हैं। पैसों का बंदोबस्त करते हैं।

4. गाँव या शहर में मेले कई कारणों से आयोजित किए जाते हैं। वे मनोरंजन, व्यापार और सांस्कृतिक जुड़ाव के रूप में आयोजित किए जाते हैं।

5. जब बस गाँव से गुजरती है तब बस की खिड़की से ऊँचे-ऊँचे रेत के टीले, पेड़-पौधे, खेत-खलिहान तथा घर आदि दिखाई देते हैं।
6. पुष्कर मेले में रस्साकशी, ऊँट दौड़, मटका फोड़ खेल आयोजित किए गए थे।
7. **पोशाक—*महिलाएँ*—**घाँघरा, चोली तथा ओढ़नी।
   ***पुरुष*—**पगड़ी, अँगरखा, धोती, पायजामा।
   नृत्य—घूमर, कालबेलिया, भवाई, चरी, तेरह ताली।
   वाद्‌यंत्र—एकतारा, मोरचंग, खरताल, ढोलक, नगाड़ा, ढपली।
8. रस्साकशी खेल में जीतने के लिए ताकत के साथ-साथ तकनीक का इस्तेमाल भी जरूरी है।
9 कुहुक के भाई का नाम प्रभास है।
10. पुष्कर में ऊँटों का विश्वप्रसिद्‌ध मेला लगता है इसलिए प्रसिद्‌ध है।
11. हर साल कार्तिक पूर्णिमा को।
12. पवित्र स्थानों पर लोग सकारात्मक सोच के साथ जाते हैं।
13. ऊँटों को सुंदर पोशाकों से सजाया गया था।

रचनात्मक चिंतन-

1. राजस्थान में कई प्रसिद्‌ध मेले आयोजित होते हैं, जो निम्नवत् हैं—
   (i) **रामदेवरा मेला—**यह मेला जैसलमेर के रामदेवरा में आयोजित होता है। यह संत रामदेव को समर्पित है।
   (ii) **नागौर मेला—**यह मेला चैत्र शुक्ल अष्टमी से मार्गशीर्ष दौज तक चलता है। इसमें बड़ी संख्या में पशुओं को लाया जाता है।
   (iii) **बाड़मेर मेला—**यह मेला बाड़मेर में आयोजित होता है जो अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए प्रसिद्‌ध है। (नोट : इसी प्रकार छात्र अन्य मेलों में बारे में बता सकते हैं।)
2. पिछले वर्ष मैं बीकानेर मेले गया। यह मेला कार्तिक की पूर्णिमा को लगता है। वहाँ पहुँचते ही श्रद्‌धालुओं की भीड़, दीपों की रोशनी और भक्ति-भावना से वातावरण देखकर मन में प्रसन्नता उमड़ पड़ी। लोगों ने झील में स्नान किया और दीप जलाकर पुण्य कमाया। आस-पास भजन-कीर्तन हो रहे थे। मेले में खाने-पीने की दुकानें सजी हुई थीं। झूले और नृत्य भी आकर्षण का केन्द्र थे। इस यात्रा से मुझे राजस्थान की संस्कृति और आस्था का अनुभव हुआ।
3. छात्र स्वयं करें।
4. रस्साकशी शारीरिक ताकत, टीमवर्क और सही तकनीक से युक्त खेल है।
5. पुष्कर मेले में खाने-पीने तथा खिलौनों से भरी सजी-धजी दुकानें थीं। मेला देखने आए बच्चे रंग-बिरंगी पोशाके पहने हुए थे। महिलाएँ पारंपरिक लहँगा-चोली पहने थीं और पुरुष पगड़ी बाँधे हुए थे। सब मिलाकर मेले की सुंदरता देखते ही बनती थी।
6. रस्साकशी का खेल दो टीमों के बीच खेला जा रहा था। इसमें एक ओर गाँव की पारंपरिक पोशाक पहने महिलाएँ थीं और दूसरी ओर विदेशी महिलाएँ थीं।
7. पुष्कर मेला एक विश्वप्रसिद्‌ध मेला है। यह भारत के राजस्थान में आयोजित होता है। यह मेला विशेष रूप से ऊँटों के व्यापार के लिए जाना जाता है। इसके साथ-साथ यहाँ विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ—जैसे लोकनृत्य, संगीत, कथा प्रवचन आदि देखने को मिलती हैं। पुष्कर को एक पवित्र स्थल माना जाता है। यहाँ मेले के दौरान कई लोग धार्मिक अनुष्ठानों में भी भाग लेते हैं।
8. पुष्कर मेले के ब्रह्मा मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह दुनिया का एकमात्र मंदिर है, जहाँ भगवान ब्रह्मा की विधिवत् पूजा होती है। हिंदू धर्म में ब्रह्मा को सृष्टि का रचयिता माना जाता है। यह मंदिर सदियों से ही आस्था का विषय रहा है।

भाषा की बात-

1.

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
अमन	क्रिकेट	हिम्मत
रिंकू	ओवर	धैर्य
रन	बल्लेबाजी	विश्वास
टीम	चौका	

2.

वाक्य	सर्वनाम
मैंने पुष्कर मेले में ऊँटों की दौड़ देखी।	मैंने
वे मंदिर में दर्शन करने गए।	वे
यह मेला हर साल लगता है।	यह
उसने मालपुए बहुत चाव से खाए।	उसने

यह भी करें–

1.

लाल रंग की बत्ती का अर्थ होता है	रुको, आगे मत बढ़ो
पीले रंग की बत्ती का अर्थ होता है	रुकने के लिए तैयार हों
हरे रंग की बत्ती का अर्थ होता है	आगे बढ़ो

(i) बाएँ मुड़ना मना है।
(ii) वापस मुड़ना (यू-टर्न) मना है।
(iii) आगे सँकरा रास्ता है।
(iv) वाहन खड़ा करना (पार्किंग) मना है।

2. मेले में लोगों ने विभिन्न प्रकार के सामानों की दुकानें लगाईं तो किसी ने सर्कस आदि लगाए। कोई सफाई व्यवस्था में लगे थे। कुछ लोग मेला प्रबंधन में लगे थे। हम इन सभी को मेला सहयोगी के रूप में देखते हैं। इनके धन्यवाद हेतु पत्र निम्नवत् है–

सेवा में,
सभी सम्माननीय
मेला सहयोगी गण
(मेले का आयोजन स्थल)

दिनांक : 15/09/20.....

विषय : मेले में सहभागिता हेतु आभार पत्र।

महोदय/महोदया,

सादर नमस्कार,

आपने हमारे यहाँ आयोजित मेले में भाग लेकर मेले में चार चाँद लगाने का कार्य किया है। हम इसके लिए आपको हृदय से धन्यवाद देते हैं।

आपका सहयोग और अनुशासन बड़ा सराहनीय रहा। हम आशा करते हैं कि भविष्य में आप ऐसा ही सहयोग करते रहेंगे।

सधन्यवाद!

(आपका क ख ग)

3. अगर मैं मेले की भीड़-भाड़ में अपने घरवालों से बिछुड़ जाऊँ तो मैं निम्नलिखित प्रयास करूँगा–
(i) बिना घबराए सही निर्णय लेने का प्रयास करूँगा।
(ii) मैं सूचना केन्द्र पर जाऊँगा और आयोजकों से अपने माता-पिता से बिछुड़ने की बात बताऊँगा।
(iii) लाउडस्पीकर पर अपने माता-पिता के लिए सूचना प्रसारित करवाऊँगा।
(iv) पुलिस या सुरक्षाकर्मियों से मदद लूँगा।

आकलन (I)

चित्र वर्णन–

1. प्रात:काल का समय है। सूरज निकल रहा है और चारों ओर सुंदर प्रकाश फैला हुआ है। नदी शांति से बह रही है। उसके किनारे दो बच्चे प्रार्थना कर रहे हैं। वे प्रकृति के प्रति अपना आभार प्रकट कर रहे हैं। आस-पास सुगंधित हवा बह रही है, फूल खिले हुए हैं। चारों ओर मन को हरने वाली सुंदर हवा बह रही है। यह चित्र हमें प्रकृति के प्रेम करना और सुबह-सुबह उठकर धन्यवाद देना सिखाता है। ऐसे वातावरण में मन प्रसन्नता से भर जाता है जो सुबह जल्दी उठने के लिए पेरित करता है।
2. प्रस्तुत चित्र किसी उद्यान का हो सकता है। यहाँ बच्चे पौधों का रोपण, साफ-सफाई व देखभाल कर रहे हैं। इस प्रकार के उद्यान को सुंदर बनाने का प्रयास कर रहे हैं।
3. हमें भी अपने साथियों के साथ मिल-जुलकर काम करने में अच्छा लगता है।

मौखिक अभिव्यक्ति–

1. धरती और अंबर एक-दूसरे से प्रेमवश जुड़े हुए हैं।
2. हम अपने परिवेश को सुंदर बनाने के लिए पेड़-पौधे लगाते हैं तथा साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं। सार्वजनिक स्थानों की देखभाल करते हैं। जल संरक्षण तथा पशु-पक्षी संरक्षण अभियान चलाते हैं।
3. छात्र स्वयं करें।

4. प्राचीन समय में बच्चे (छात्र) गुरुकुल में रहकर ही शिक्षा ग्रहण करते थे। कोई भी छोटा-बड़ा नहीं होता था। जो काम गुरुकुल में रहकर गरीब के बच्चों को करना पड़ता था। वही कार्य राजा के राजकुमारों को भी करना होता था।

पढ़कर-समझकर–

1. मैं अपने घर के काम में अपने भाई-बहनों की मदद लेता हूँ। कुछ सामूहिक कामों में अपने पड़ोसियों की भी मदद लेता हूँ।
2. किसान खेतों पर मचान फसलों की देखभाल करने के लिए बनाते हैं ताकि किसान ऊँचाई पर बैठकर फसलों की निगरानी करते रहें, जिससे जानवर, पशु-पक्षी या चोर फसल को नुकसान न पहुँचा सकें।
3. चने की सब्जी के साथ हरा धनिया, मिर्च, टमाटर अथवा पोदीना की चटनी बनाई होगी। यह चटनी उन्होंने इन सब चीजों को पीसकर बनाई होगी और उसमें स्वादानुसार नमक भी मिलाया होगा। इसके अलावा और भी चीजों की चटनी बनाई जा सकती है। जैसे-इमली, आम आदि की।
4. यदि मैं वहाँ होता तो सबसे पहले अपने आसपास के बड़े लोगों को आवाज देकर बुलाता और चंपा की तरह ही लाठी या डण्डे से उसे बचाने का प्रयास करता।

भाषा की बात–

1. (क) महान, (ख) कठिन।
2.

संज्ञा	शब्द	वाक्य में प्रयोग
जातिवाचक	**पेड़**	**जंगल में बहुत सारे पेड़ हैं।**
	शिक्षक	विद्यालय में शिक्षक लगन से पढ़ाते हैं।
भाववाचक	**एकता**	हमें अपने समाज में एकता बनाकर रखनी चाहिए।
	अनुशासन	छात्रों के लिए अनुशासन अनिवार्य है।
व्यक्तिवाचक	**खो-खो**	खो-खो एक प्रकार का खेल है।
	भारत	अनेकता में एकता भारत की विशेषता है।

3. बादल – मेघ, घन, पयोद
   सूरज – दिनकर, दिवाकर, रवि
   धरती – भू, धरा, वसुधा
   1. फूल – सुमन, पुष्प, कुसुम
   2. हवा – पवन, वायु, समीर
4. मेले में लोगों ने विभिन्न प्रकार के सामानों की दुकानें लगाईं तो किसी ने सर्कस आदि लगाए। कोई सफाई व्यवस्था में लगे थे। कुछ लोग मेला प्रबंधन में लगे थे। हम इन सभी को मेला सहयोगी के रूप में देखते हैं। इनके धन्यवाद हेतु पत्र निम्नवत् है–

सेवा में,
सभी सम्माननीय
मेला सहयोगी गण
(मेले का आयोजन स्थल)

दिनांक : 15/09/20.....

विषय : मेले में सहभागिता हेतु आभार पत्र।

महोदय/महोदया,

सादर नमस्कार,

आपने हमारे यहाँ आयोजित मेले में भाग लेकर मेले में चार चाँद लगाने का कार्य किया है। हम इसके लिए आपको हृदय से धन्यवाद देते हैं।

आपका सहयोग और अनुशासन बड़ा सराहनीय रहा। हम आशा करते हैं कि भविष्य में आप ऐसा ही सहयोग करते रहेंगे।

सधन्यवाद!

(आपका क ख ग)

आओ कवि बनें–

मेला आया मेला आया,
खुशियों का एक रेला आया।
झूला, ठेला, चकरी घूमे,
हर बच्चा हँसता झूमे।
गठरी लेकर दादी आई,
सबको बाँटी खूब मिठाई।
खेल-खिलौनों की भरमार,
दादा दे दो पैसे चार।

मेले का चित्र–

पुष्कर मेला कार्तिक पूर्णिमा को लगता है। यहाँ बड़ी संख्या में देश-विदेश के पर्यटक आते हैं। हजारों हिंदू

लोग इस मेले में आते हैं। वे अपने को पवित्र करने के लिए पुष्कर सरोवर में स्नान करते हैं। यहाँ विश्व का सबसे बड़ा ऊँटों का मेला लगता है। मेले में कई संस्कृतियों का मिलन-सा देखने को मिलता है। यहाँ ढेर सारी दुकानें, खाने-पीने के स्टॉल, सर्कस, झूले और न जाने क्या-क्या देखने को मिलता है। यह मेला वास्तव में आकर्षण का केन्द्र है।

सोचो और लिखो–

1. कवि कहता है कि सूरज, चाँद, सितारे सभी एक-दूसरे से प्रेमवश जुड़े हुए हैं। अत: सबके बीच प्रेम का नाता है जो सभी को एक-दूसरे से जोड़कर रखता है।
2. संतों ने हमें समझाया है कि इस संसार में सब लोग प्यार के कारण ही एक-दूसरे से जुड़े हैं। प्यार ही जगत का आधार है।
3. श्रीराम का चरित्र हमें यह प्रेरणा देता है कि हमें अपने माता-पिता तथा गुरु की आज्ञा का पालन करना चाहिए। अन्याय और अधर्म के विरुद्ध अपनी आवाज उठानी चाहिए।
4. विवाह के फेरे अधूरे छोड़कर गायों की रक्षा करने वाले पाबूजी थे, जिन्होंने गायों की रक्षा के लिए लुटेरों से वीरतापूर्वक युद्ध किया और वीरगति को प्राप्त हो गए।
5. पवित्र स्थान पर जाने से सोच में सकारात्मकता आती है तथा मन को शांति मिलती है।
6. ऋषि विश्वामित्र श्रीराम और लक्ष्मण को राजा दशरथ से जंगल में राक्षसों से यज्ञ और ऋषिमुनियों की रक्षा करने के लिए ले गए।

5. राजस्थान के बालवीर

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स), 2. (अ), 3. (ब), 4. (अ), 5. (ब)।

सोचो और लिखो–

बहुविकल्पात्मक प्रश्न

1. (ब), 2. (ब)।

रिक्त स्थान की पूर्ति करें-

1. नाना-नानी, 2. 26 जनवरी, 2001, 3. ताऊ, 4. तीन।

उचित शब्द चुनकर रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए—

1. स्कूल, 2. विवाह, 3. 1999, 4. पटरी का, 5. राजधानी।

मिलान करो-

1. (द), 2. (अ), 3. (स), 4. (ब)।

सही सुमेलन कीजिए-

1. (द), 2. (स), 3. (अ), 4. (ब)।

आओ बात करें–

1. कुम्भाराम को 26 जनवरी, सन् 2001 को पुरस्कार दिया गया था।
2. सुशीला ने अपने ताऊ से रोते हुए कहा कि ताऊ मैं मर जाऊँगी लेकिन अभी शादी नहीं करूँगी। ताऊ ने भी उसे सांत्वना दी।
3. सुशीला की बात सुनकर ताऊ ने मुख्यमंत्री और जिले के पुलिस कप्तान को पत्र भेजे। उन्होंने जिला प्रशासन तथा राज्य के कृषि मंत्री से भी मिलकर बाल-विवाह पर कार्यवाही करवाई।
4. टूटे हुए रेलवे ट्रैक पर कुम्भाराम की नजर 27 सितम्बर, 1999 को पड़ी। स्कूल जाते समय कुम्भाराम को रेलवे ट्रैक का एक हिस्सा टूटा हुआ सा दिखलाई दिया था। उसने पास जाकर देखा तो उसका संदेह सही निकला था।
5. सुशीला अपने गाँव के स्कूल में ही पढ़ती थी। एक दिन उसने अपने सहपाठियों से सुना कि उसकी शादी होने वाली है। उसने इस बात को मजाक समझा था। जब घरवालों ने अक्षय तृतीया पर विवाह तय करने की बात कही तो वह दंग रह गई।
6. कुम्भाराम की बात सुनकर केबिनमैन ने महावीर जी स्टेशन के स्टेशन मास्टर से सम्पर्क किया। स्टेशन मास्टर ने भी तुरन्त एक्शन लिया और सिग्नल डाउन करके तकनीकी कर्मचारियों को जाँच के लिए भेजा। ऐसा करने से टूटे हुए ट्रैक से गुजरने वाली राजधानी एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त होने से बच गई।

सुशीला और कुम्भाराम की कहानियों को पढ़कर बताओ कि-

1. सुशीला को अपनी शादी का विरोध करने की हिम्मत अपने ताऊ रोदूलाल गुर्जर से मिली।
2. कुम्भाराम ने अपनी सूझबूझ और साहस से एक रेल दुर्घटना होने से बचा ली।
3. हाँ, छोटे बच्चे भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। वे अपनी

अच्छी सोच एवं साहस के द्वारा बड़े से बड़ा बदलाव कर सकते हैं।

4. यदि मैं सुशीला की जगह होती तो वैसा ही करती जैसा सुशीला ने किया था।

रचनात्मक प्रश्न–

1. 1. शिक्षा और जारूकता को बढ़ावा देंगे।
   2. कानूनी कार्यवाही भी करेंगे।
   3. विभिन्न सामाजिक संगठनों का सहयोग लेंगे।
   4. व्यक्तिगत रूप से भी लोगों को उस बुराई के दुष्परिणामों के विषय में बतलाएँगे।
   5. समाज सेवकों की मदद लेंगे।
   6. कुरीति को त्यागने के लाभ बताएँगे।
2. सुशीला ने बाल-विवाह प्रथा का विरोध किया था।
3. अध्यापक महोदय की सहायता से विद्यार्थी स्वयं करें।
4. सुशीला 'अटल इरादा' कहानी की प्रमुख पात्र है।
5. सुशीला को 'राष्ट्रीय बाल वीरता' पुरस्कार से सम्मा. नित किया गया था।
6. पाँच मिनट के अन्दर रेलवे केबिन तक पहुँचने के लिए मैं सावधानीपूर्वक कहीं रुके बिना तेजी से दौड़ता हुआ जाऊँगा। वहाँ यदि किसी वाहन आदि की व्यवस्था होगी तो उसके द्वारा जाऊँगा। (नोट– विद्यार्थी अपनी-अपनी योजना स्वयं बनाएँ)
7. 'सिकरोदा जाट' नामक गाँव हिंडौन तहसील से तीन किलोमीटर दूर है।
8. यदि मैं सुशीला का दोस्त होता तो उसकी मदद इस प्रकार करता–

   1. उसको कानूनी सहायता दिलवाता। 2. उसके लिए आर्थिक सहायता की व्यवस्था करता। 3. अधीरता की स्थिति में उसे धैर्य बँधाता। 4. उसके खान-पान की व्यवस्था भी करता।

भाषा की बात–

1. **संज्ञा–** सुशीला, रोदूलाल गुर्जर, कुम्भाराम दिल्ली, इन्द्रराज मीणा।

   सर्वनाम– वह, उसकी, मैं,उसने, अपनी।

2. (क) कायरता, (ख) हार, (ग) घृणा, (घ) सहायता।

काल, वचन एवं लिंग की पहचान करें-

1. (1) वर्तमान काल, (ख) भूतकाल, (ग) भविष्यत काल।
2. (1) किताबें, (2) बच्चे, (3) फूलों, (4) पेड़ों।
3. 1. लड़के मैदान में खेल रहे हैं। 2. पक्षी आसमान में उड़ रहा है। 3. माता-पिता बच्चे को पढ़ा रहे हैं।
4. 1. रानी, 2. नानी, 3. बैल, 4. बहन, 5. बेटा।
5. 1. मोहन स्कूल जा रहा है। 2. सीता बहुत अच्छा गाती है। 3. दादी रोज अखबार पढ़ती हैं।

यह भी करें–

छात्र स्वयं करें।

6. कलम, आज उनकी जय बोल

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ), 2. (स), 3. (ब), 4. (अ), 5. (अ)।

पढ़कर जानें–

1. चिटकाई, 2. सिंहनाद, 3. साखी।

उचित शब्द चुनकर रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए-

1. अस्थियाँ 2. गर्दन 3. तूफानों 4. धरती 5. खगोल।

आओ बात करें–

1. गर्दन का मोल लिए बिना देशभक्त पुण्यवेदी पर चढ़ गए।
2. वीरों के सिंहनाद से धरती सहम गई।
3. पाठ में चकाचौंध का मारा आधुनिकता में जीने वाले को तथा बेचारा इतिहास से बेखबर व्यक्ति को कहा गया है।
4. स्वतंत्रता दिलाने वाले वीर पुण्यवेदी पर चढ़ गए थे।
5. जय बोलने के लिए कलम से कहा जा रहा है।
6. लघु दीपों की संख्या अगणित (अनगिनत) मानी गई है।

सोचो और लिखो–

1. (ब) **चिंगारी–** आग से चिंगारी निकलती है।

   (स) **सिंहनाद–** सैनिकों ने एक साथ सिंहनाद किया और दुश्मन पर टूट पड़े।

   (द) **चकाचौंध–** सूर्य की रोशनी से खिड़कियों में चकाचौंध हो रही थी।

2. देशभक्तों की महिमा के साक्षी सूर्य-चन्द्र-भूगोल तथा खगोल हैं।
3. कविता में देशभक्तों के बलिदान, त्याग आदि कार्य गिनाए गए हैं।
4. (i) हमारे अगणित लघुदीप कौन हैं?

   (ii) गर्दन का मोल लिए बना पुण्यवेदी पर कौन चढ़ गए?
5. दिशाएँ लू-लपट उगल रही हैं।
6. वीरों के सिंहनाद से पृथ्वी सहम गई है।
7. इस कविता में कवि 'दिनकर' जी ने देशभक्त वीरों के बलिदान का वर्णन किया है। कवि अपनी कलम के माध्यम से क्रान्तिकारी वीरों के त्याग एवं बलिदान की यशोगाथा को लिखने और बोलने के लिए कहता है।
8. पुण्यवेदी पर हमारे देश के अनेक क्रान्तिकारी वीर चढ़ गए थे। उन वीरों ने भारत देश को स्वतंत्र कराने के लिए अपनी जान की कोई परवाह भी नहीं की और हँसते-हँसते फाँसी पर भी चढ़ गए।
9. कवि कलम से वीर क्रान्तिकारियों की जय बोलने के लिए कहता है। वह चाहता है कि हमारे अमर क्रान्तिकारियों का नाम भी इतिहास के पन्नों में सदैव के लिए अमर बना रहे।
10. कवि 'दिनकर' जी ने 'दीप' शब्द के द्वारा भारतीय क्रान्तिकारियों की ओर संकेत किया है। भारत देश को स्वतंत्र कराने में इतने क्रांतिकारी वीरों ने अपना बलिदान दिया था कि जिनकी गिनती नहीं की जा सकती।

मेरी बात सबकी बात–

पुष्प की अभिलाषा

चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ,
चाह नहीं, प्रेमी-माला में बिंध प्यारी को ललचाऊँ,
चाह नहीं, सम्राटों के शव पर हे हरि डाला जाऊँ,
चाह नहीं, देवों के सिर पर चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ,
मुझे तोड़ लेना वनमाली!
उस पथ में देना तुम फेंक।
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने,
जिस पथ जावें वीर अनेक।

(छात्र इसी प्रकार की अन्य कविता भी अपनी भाषा में लिख सकते हैं।)

आओ रचना करें–

ऐसा देश हमारा है।
सबने यही पुकारा है।
मिलकर इसे सँवारा है।
तीन ओर जल गहरा है।
शत्रु से करता पहरा है।
भारत देश निराला है।
सब देशों से न्यारा है।

भाषा की बात–

1. अगणित, दिन, धरती, सूर्य, चन्द्र।
2. दिन, जलाना, धरती, चढ़ना।
3. मोरनी, हथिनी, बालिका।
4. (क) दिशाएँ, (ख) अस्थियाँ, (ग) शिखाएँ।

सही सुमेलन कीजिए—

1. (स), 2. (य), 3. (द), 4. (ब), 5. (अ)।

यह भी करें–

1. छात्र स्वयं करें।
2. एक विद्यार्थी के रूप में मैं अपने परिवेश को साफ-स्वच्छ रखने के लिए निरंतर प्रयासरत रहूँगा। अपने साथियों को भी इसके लिए प्रेरित करूँगा। प्रभातफेरी, जुलूस आदि के माध्यम से जल संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाऊँगा। अपने सभी साथियों सहित मैं भी यह संकल्प लूँगा कि भविष्य में मुझे जहाँ भी सेवा करने का मौका मिलेगा, वहाँ पूरी ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ देशहित में काम करूँगा।
3. वीरों की महिमा अनादि काल से चली आ रही है। अनेक बार इस देश की आन-बान तथा शान को बचाने के लिए अनेक वीरों ने किसी-न-किसी प्रकार से अपना बलिदान दिया है। सूर्य-चन्द्रमा-भूगोल तथा खगोल का इतिहास भी अनादि काल से चला आ रहा है। अत: इन्होंने इतिहास को अपनी आँखों से घटित होते हुए देखा है। इसलिए ये वीरों की महिमा के साक्षी हैं।

4. **भावार्थ—** प्रस्तुत पंक्ति में कवि 'दिनकर' जी कहना चाहते हैं कि हमारे क्रान्तिकारी वीरों में इतना साहस एवं शक्ति थी कि उनकी शेर जैसी बुलंद आवाज से दुश्मन काँपने लगता था। दुश्मन तो दूर उनके घोर गर्जन से धरती भी काँपने लगती थी।

7. पधारो म्हारे देस

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ), 2. (ब), 3. (अ), 4. (ब), 5. (अ)।

सोचो और लिखो–

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ब), 2. (स)।

सत्य/असत्य छाँटिए—

1. सत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. असत्य।

मिलान करो–

1. (य), 2. (अ), 3. (ब), 4. (स), 5. (द)।

सही सुमेलन कीजिए—

1. (iii), 2. (iv), 3. (v), 4. (i), 5. (ii).

(ख) वाद्य यंत्र	संबंधित चित्र
नगाड़ा	
चंग	
सितार	
रवणहत्था	

अधूरे गीत/पंक्ति को पूरा करो—

1. "माता रो शेरां रा साज"
   चाले मायड़ धणी री पाल
   गूंजे नगाड़ा थाल-थाल
2. ओ लुगड़ी रो रंग लाल
   ओ बन्ना रे नखरा बेमिसाल

रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए—

1. कहानी 2. पानी की 3. सुरीला 4. भवाई 5. जसनाथी।

आओ बात करें–

1. यदि हमारा शहर या गाँव बोलता तो वह हमसे विभिन्न लोकगीतों, नृत्यों, कलाओं, रीति-रिवाजों इत्यादि की बातें करता।
2. छात्र स्वयं करें।
3. मैं अलगोजा नामक वाद्य यंत्र बनना पसंद करूँगा क्योंकि यह दो बाँसुरियों को मिलाकर बनाया जाता है और अच्छा बजता है।
4. लांगुरिया गीत कैला देवी एवं अन्य देवियों को प्रसन्न करने के लिए गाया जाता है। यह राजस्थान का प्रसिद्ध लोकगीत है।
5. घूमर नृत्य किसी गोल घेरे में घूम-घूमकर किया जाता है।
6. राजस्थान के लोकगीतों की प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं—
   1. इन गीतों के माध्यम से लोग अपने सुख-दु:ख की कथा कह देते हैं।
   2. इन गीतों में दैनिक जीवन की झलक दिखाई देती है।
   3. इन गीतों में वीरों की गाथाएँ भरी हुई हैं।
   4. ये गीत मातृभूमि के प्रति आदर का भाव जाग्रत करते हैं।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1. करौली की कैलादेवी के आँगन में राजस्थान लांगुरिया सुनता है।
2. उस गीत का नाम 'पणिहारी' गीत है।
3. मातृभूमि के प्रति आदर भाव वीर महाराणा प्रताप और उनके बहादुर घोड़े चेतक की गाथाएँ जगा देती हैं।

4. संगीत हेतु काम में ली जाने वाली वस्तुओं को वाद्य यंत्र कहते हैं।
5. राजस्थान के गाँवों में लोग पानी भरने के लिए कुओं अथवा कुइयों पर इकट्ठे हो जाते हैं।
6. अलगोजा नामक वाद्ययंत्र को फूँक मारकर बजाया जाता है।
7. जब पति-पत्नी दोनों मिलकर खेती का काम करते हैं तब उनकी बातचीत में खेती के प्रसंग भी आते हैं। वही बातचीत गीत बन जाती है।
8. परम्पराओं के गीत राजस्थान गाता है।
9. राजस्थान रेतीले धोरों में तेजाजी की अर्चना के गीत सुनता है।
10. राजस्थानी गीतों को सुनने के लिए जब दूर-दूर से लोग आते हैं तब वह उनके स्वागत में पलक पाँवड़े बिछाकर तैयार रहता है।
11. पाठ में 'नीले घोड़े रा असवार' यह महाराणा प्रताप के लिए कहा गया है।
12. अग्नि नृत्य में नर्तकी एवं नर्तक धधकते हुए अंगारों पर नंगे पैर नाचते हैं। यह नृत्य प्रमुख रूप से जसनाथी सम्प्रदाय के लोगों द्वारा किया जाता है।

भाषा की बात–

1. I. बाजरियो—संज्ञा शब्द। थारो— सर्वनाम शब्द। घणो—विशेषण शब्द। II. सुरीला-विशेषण शब्द।
2. 1. सुरीला, 2. सुख 3. बाहर, 4. रंगीला।
3. 1. खेती, 2. नारी, 3. तालाब 4. घोड़ा।

रचनात्मक प्रश्न–

1-4. छात्र स्वयं करें।

5.

वाद्य यंत्र की श्रेणी			
तत वाद्य	**सुषिर वाद्य**	**घन वाद्य**	**अवनद्ध वाद्य**
रावणहत्था एकतारा, चंग, हारमोनियम	अलगोजा	मजीरा	भपंग

6. प्रमुख राजस्थानी वाद्य यंत्र इस प्रकार हैं–
   (i) **रावणहत्था**—यह एक ऐसा वाद्य यंत्र है जो नारियल के खोल या लौकी से बना होता है।
   (ii) **मोरचंग**—यह एक घन वाद्य-यंत्र है जो बाँस आदि की पट्टियों से बनाया जाता है। यह एक धातु की पट्टी के माध्यम से बजाया जाता है।
   (iii) **सारंगी**—यह एक तार से बना हुआ वाद्य यंत्र है जिसे तार के धनुष से बजाया जाता है। यह राजस्थान के सभी क्षेत्रों में लोकप्रिय है।
   (iv) **अलगोजा**—अलगोजा एक ऐसा बाजा है जिसे फूँक मारकर बजाया जाता है। यह दो बाँसुरियों को मिलाकर बनाया जाता है।

8. नारे कितने प्यारे

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स), 2. (अ), 3. (ब), 4. (स), 5. (द)।

सोचो और लिखो–

सही विकल्प चुनिए—

1. (स), 2. (द)।

रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. दमकी, 2. जाल, 3. बसंती, 4. स्वराज।

उचित शब्द चुनकर रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए—

1. कहानी, 2. त्यागी, 3. साबरमती, 4. हनुमान, 5. विज्ञान।

मिलान करो-

1. (ग), 2. (घ), 3. (क), 4. (ख)।

सही सुमेलन कीजिए—

1. (य), 2. (स), 3. (द), 4. (ब), 5. (अ)।

आओ बात करें–

1. 'वंदे मातरम' का नारा बंकिमचन्द चटर्जी ने दिया था।

2. स्वतंत्रता आंदोलन में पुरुषों के समान ही स्त्रियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया था। सरोजिनी नायडू, अरुणा आसफ, कस्तूरबा गांधी आदि महिलाओं ने अंग्रेजों का विरोध प्रदर्शन करने के साथ-साथ स्वतंत्रता सेनानियों के लिए समय-समय पर खान-पान की व्यवस्था की थी।
3. विद्यार्थी शिक्षक/शिक्षिका के साथ चर्चा करें।
4. विद्यार्थी शिक्षक महोदय से जानकारी प्राप्त करें।
5. स्वतंत्रता के बाद भी देश में गरीबी की दशा थी। अपनी आजीविका के लिए किसान जमींदारों पर निर्भर रहते थे। उस समय देश में विभाजन की समस्या तथा सामाजिक समस्याएँ भी थीं।
6. 'जय हिंद' नारे के वक्ता सुभाषचन्द्र बोस हैं।
7. 'इंकलाब जिंदाबाद' यह नारा भगतसिंह ने दिया था।
8. 'जय जवान, जय किसान' नारा लालबहादुर शास्त्री ने दिया था।
9. इसके जनक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक हैं।

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. वेश बदलकर आए फिरंगी ने भारतीयों पर बहुत अत्याचार किए।
2. नारों के गायक अर्थात् नारे देने वाले त्यागी, बलिदानी तथा स्वतंत्रता के पुजारी थे।
3. भगतसिंह के टोले के दो सदस्य राजगुरु और सुखदेव थे।
4. गांधी जी सत्य, अहिंसा और शांति– इन तीन जीवन-मूल्यों का जादू लाए थे।
5. स्वतंत्रता आंदोलन में नारों के माध्यम से भारतीय लोगों में स्वतंत्रता के लिए चेतना जागी और वे उत्साहित होकर स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े।
6. आपसी फूट एवं साम्प्रदायिकता आदि भारत की परतंत्रता के कारण रहे होंगे।
7. देश के विकास में जवान, किसान और विज्ञान की भूमिका–

   जवान– जवान सीमा पर सतर्कता से पहरा दे रहे हैं।

   किसान– उन्नत खाद-बीज तथा परिश्रम से किसान अधिक से अधिक अन्न उगा रहे हैं।

   विज्ञान– विज्ञान एवं वैज्ञानिक भूगोल, खगोल आदि के क्षेत्र में उन्नतशील हैं।
8. नारों ने समाज को संगठित किया, अंग्रेजों की नींद उड़ाई तथा दीन, दु:खी और लाचारों की हिम्मत बाँधी।
9. असहयोग आन्दोलन महात्मा गाँधी ने चलाया था। इसका उद्देश्य ब्रिटिश शासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराना तथा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देकर स्वराज प्राप्त करना था।
10. सुभाषचन्द्र बोस के नारे इस प्रकार हैं– 1. तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा। 2. जय हिंद 3. दिल्ली चलो।

भाषा की बात–

1. 1. स्वतंत्रता के अमर पुजारी कौन थे?
   2. नारों के गायक त्यागी और बलिदानी थे।
   3. स्वतंत्रता के अमर पुजारी स्वाभिमानी थे।
   4. वे नारों के गायक सच्चे त्यागी थे।
   5. स्वतंत्रता के अमर पुजारी वीर थे।
   6. नारों के गायक स्वाभिमानी थे।
2. 1. भारत प्यारा देश है।
   2. रामचरितमानस ग्रन्थ के रचयिता तुलसीदास हैं।

यह भी करें–

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. भगतसिंह एक महान स्वतंत्रता-सेनानी एवं क्रान्तिकारी थे। उन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आवाज उठाई तथा भारत को स्वतंत्र कराने में पूरा सहयोग किया। उन्होंने राजगुरु और सुखदेव जैसे क्रान्तिकारियों को साथ लेकर क्रान्तिकारी गतिविधियों में भाग लिया।
3. क्रांतिकारी सुखदेव का जन्म 15 मई, सन् 1907 को लुधियाना में हुआ था। इनका पूरा नाम सुखदेव थापर था। आप भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख क्रांतिकारी थे। आपने अंग्रेजों द्वारा लाला लाजपत राय पर किए गए लाठीचार्ज तथा उसके कारण मृत्यु होने का बदला भी लिया था।

आकलन (II)

चित्र वर्णन–

1. राजस्थान संमृद्ध संस्कृति का प्रतीक है। यहाँ के लोकनृत्य जैसे–कालबेलिया, घूमर और चरी आदि विश्वप्रसिद्ध हैं।

राजस्थानी लोककला में कठपुतली नाट्य, चित्रकला, लकड़ी की नक्काशी प्रसिद्ध हैं। पारंपरिक वेशभूषा में पुरुषों की पगड़ी, अँगरखा, धोती तथा महिलाओं में घाघरा-चोली और ओढ़नी प्रमुख हैं।

राजस्थान में तीज, गणगौर, मकर-संक्रांति, दीपावली जैसे त्योहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं। इन त्योहारों में पारंपरिक गीत-संगीत नृत्य और व्यंजन जैसे—दाल-बाटी-चूरमा, गट्टे की सब्जी आदि बनाए जाते हैं।

राजस्थान की परंपराएँ उसकी ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करती हैं और सांस्कृतिक पहचान को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाती हैं।

2. एक दिन आराध्या की पालतू बिल्ली पेड़ पर चढ़ जाती है परन्तु उतर नहीं पाती है। यह बात आराध्या अपनी माँ से जाकर कहती है। माँ-बेटी दोनों पेड़ के पास आकर उसे उतारने का विचार करती हैं। माँ की सूझबूझ से आराध्या पेड़ से बिल्ली को उतार लेती है। बिल्ली को पाकर दोनों बहुत खुश हो जाती हैं।
3. विद्यार्थी स्वयं करें।
4. 1. मेजर ध्यानचंद को।
   2. राष्ट्रीय खेल दिवस।
5. सेवा में,
   श्रीमान प्रधानाध्यापक
   राजकीय माध्यमिक विद्यालय, दिल्ली।
   दिनांक .....
   महोदय,
   निवेदन है कि 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के दिन विद्यालय में विभिन्न प्रकार के खेल खेलकर एक खेल कार्यक्रम का आयोजन करना चाहते हैं। कृपया इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए अनुमति प्रदान करें। आपकी अति कृपा होगी।
   आपका शिष्य/आपकी शिष्या
   क ख ग
6. 1. भारत प्यारा देश है।
   2. रामचरितमानस ग्रंथ के रचयिता तुलसीदास हैं।
7. 1. सिर खुजाने से काम नहीं चलेगा, बताओ न पुस्तक कहाँ रखी है।
   2. मोहन अपने माँ-बाप की आँख का तारा है।
   3. सूर्य का तेज प्रकाश देखकर मेरी आँखें चौंधिया गईं।
   4. रहीम का लड़का घर छोड़कर अलग रहता है, इसकी किसी को कानों-कान खबर भी नहीं लगी।
8. (क) राधा, (ख) अटका, (ग) भटकी, (घ) निकली, (ङ) निकला, (च) सूझा।
9. 1. पवन ने कहानियाँ सुनीं।
   2. कक्षा में तालियों की आवाज आई।
   3. रमेश ने अपनी पुस्तकें उठाईं।
   4. कक्षा में खिड़कियाँ खुली थीं।
10. 1. बाजरियो (संज्ञा), थारो (सर्वनाम), घणो (विशेषण)
    2. सुरीला (विशेषण)

सोचो और लिखो–

1. देशभक्तों की महिमा के साक्षी सूरज, चाँद, सितारे हैं।
2. सुशील ने 'बाल विवाह' नामक सामाजिक समस्या के खिलाफ आवाज उठाई।
3. **अर्थ—** हमारे क्रान्तिकारी वीर अपनी जान की परवाह किए बिना स्वतंत्रता पाने हेतु मातृभूमि रूपी वेदी पर न्योछावर हो गए थे।
4. भवाई नृत्य पैरों के नीचे काँच और तलवार तथा सिर पर एक के ऊपर कई मटके रखकर किया जाता है।
5. बाल गंगाधर तिलक द्वारा दिया गया नारा इस प्रकार है— "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, मैं इसे लेकर रहूँगा"
6. (ब) अक्षय तृतीया।

9. भारत के महान व्यक्तित्व

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)।

सोचो और लिखो–

नीचे दिए गए प्रश्न का सही उत्तर चुनिए—

1. (अ), 2. (स), 3. (ब), 4. (स)।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. उपप्रधानमंत्री, 3. शहीद, स्वराज 3. जयसिंह, 4. जय हिंद।

उचित शब्द चुनकर रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए—

1. संभाजी 2. सुभाष 3. लौहपुरुष 4. सइबाई निंबालकर 5. सरदार।

सही सुमेलन कीजिए—

1. (स), 2. (य), 3. (अ), 4. (ब), 5. (द)।

आओ बात करें–

1. सरदार पटेल को एकता का प्रसिद्ध नीतिज्ञ कहा गया, जिनके पास व्यावहारिक कुशलता रही और जिन्होंने एक स्मरणीय कार्य का सम्पादन किया। उन्होंने प्रभावशीलता के साथ देशी रियासतों के एकीकरण का प्रबन्धन किया, जिसके लिए उन्होंने राजाओं की देशभक्ति और राष्ट्रीय संवेदना का आह्वान कर लोकतान्त्रिक संविधान के निर्माण से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया तथा रियासतों को भारत सरकार को समर्पित करने को राजी किया।
2. मुझे देश का स्वतंत्रता सेनानी छत्रपति शिवाजी अच्छा लगता है क्योंकि उन्होंने अकेले दम पर मुगल सल्तनत को चुनौती दी थी।

   अथवा

   मुझे सरदार पटेल स्वतंत्रता सेनानी अच्छा लगता है, क्योंकि उन्होंने भारत की स्वतंत्रता के बाद रियासतों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

   (इसी प्रकार छात्र अपने अनुसार लिखें।)
3. **(क) शिवाजी और अफजल खाँ की घटना—** अफजल खाँ जैसे ही शिवाजी महाराज से गले मिला उसने हाथ में बँधा चाकू शिवाजी की पीठ में घोंपने की कोशिश की। शिवाजी ने सतर्कता बरती और अफजल खाँ का पेट बाघनख (बाघ के नाखून जैसा हथियार) से चीर दिया।

   (ख) शिवाजी और गुरु रामदास के शिक्षाप्रद किस्से— गुरु रामदास अपने शिष्यों का भ्रम दूर करने के लिए कि गुरु शिवाजी पर अधिक प्रेम करते हैं। एक दिन शिष्य मंडली के साथ वे जंगल में गये। वहाँ रात्रि में एक गुफा में डेरा डाला। कुछ समय बाद गुरु रामदास कराहने लगे तब शिष्यों ने कराहने का कारण पूछा तो उन्होंने कहा "मेरे पेट में दर्द है।" तब शिष्य चुप हो गये पर शिवाजी ने दर्द को दूर करने की दवा पूछी तो गुरु रामदास ने कहा सिंहनी के दूध से मेरे पेट का दर्द दूर होगा। तब शिवाजी ने गुरुदेव का तुंबा उठाकर सिंहनी को खोजते हुए एक गुफा में पहुँचे, वहाँ सिंहनी अपने शावकों को दूध पिला रही थी। तब शिवाजी ने विनती की मेरे गुरुदेव अस्वस्थ हैं, तुम्हारे दूध से स्वस्थ होंगे, तुम चाहो तो मुझे खा सकती हो। सिंहनी ने शिवाजी के पैरों को चाटा तब शिवाजी ने सिंहनी का दूध निकालकर, उसे प्रणाम कर गुरु के पास पहुँचे। सिंहनी का दूध लाया देखकर स्वामी बोले, "धन्य हो शिवा! आखिर तुम सिंहनी का दूध ले ही आए।"

   (ग) सुभाष चन्द्र बोस और आजाद हिंद फौज— आजाद हिंद फौज का गठन नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सिंगापुर में किया था। फौज का गठन भारत को स्वतंत्रता दिलाने के लिए किया।
4. वीर शिवाजी का जन्म पुणे के पास शिवनेरी दुर्ग में हुआ।
5. सुभाष ने सिंगापुर में सुप्रीम कमांडर के रूप में 'दिल्ली चलो' का नारा दिया।
6. शिवाजी ने आततायी मुगल शासक औरंगजेब की नाक में दम कर दिया।
7. महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर पटेल जी ने स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लिया।

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

1. शिवाजी पर माता जीजाबाई, दादा कोंडदेव एवं गुरु रामदास की शिक्षाओं का विशेष प्रभाव पड़ा।
2. शिवाजी को देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा में प्राणों की भी परवाह न करने के कारण हम एक सच्चे राष्ट्रनायक के रूप में याद करते हैं।
3. शिवाजी गुरिल्ला या छापामार युद्ध में निपुण थे।
4. शिवाजी को मारने के लिए अफजल खाँ को बीजापुर के शासक आदिलशाह ने भेजा था।
5. सुभाषचन्द्र बोस ने रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानन्द से प्रेरित होकर देश सेवा का प्रण लिया।
6. सुभाषचन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी सन् 1897 को ओडिशा के कटक में हुआ था।

7. पटेल ने अपनी सूझबूझ और कूटनीति से देशी रियासतों को एक कर अखंड भारत की नींव रखी।

8. सरदार वल्लभ भाई पटेल को मजबूत इरादों और कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व के कारण 'लौह पुरुष' कहा जाता है।

9. भारत सरकार ने सन् 1991 में सरदार वल्लभभाई पटेल को मरणोपरांत 'भारत रत्न' देकर सच्ची श्रद्धांजलि दी।

10. सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा अंग्रेजों के विरोध में किए गए दो आंदोलनों के नाम खेड़ा सत्याग्रह तथा बारदोली आंदोलन हैं।

11. छत्रपति शिवाजी का जन्म 19 फरवरी, 1630 को पुणे के पास शिवनेरी दुर्ग में मराठा सेनापति शाहजी भोंसले और जीजाबाई के घर हुआ था। जिनकी शिक्षाओं ने उनके शुरुआती जीवन को गहराई से प्रभावित किया। जीजाबाई ने उनमें अपनी मातृभूमि के प्रति गर्व और जिम्मेदारी की भावना पैदा की। छोटी उम्र से ही शिवाजी ने असाधारण नेतृत्व क्षमता और न्याय की प्रबल भावना का प्रदर्शन किया। उनके मन में मुगल साम्राज्य के खिलाफ प्रतिरोध की भावना तथा स्वशासन की भावना प्रबल थी। उन्होंने छोटी-सी उम्र में वफादार अनुयायियों को इकट्ठा कर मराठा साम्राज्य की स्थापना की। उन्होंने तोरण और पुरन्दर के किले को जीता। गुरिल्ला युद्ध की रणनीति का इस्तेमाल कर कई युद्ध जीते। सन् 1674 को रायगढ़ किले में छत्रपति के रूप में उनका राज्याभिषेक हुआ।

12. शिवाजी और सुभाषचन्द्र बोस दोनों ही देशप्रेमी थे, उन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की परवाह नहीं की। शिवाजी और सुभाषचन्द्र ने भारतीयों को संगठित कर शक्तिशाली दुश्मन साम्राज्य के विरुद्ध सशस्त्र क्रान्ति की लौ जगाई।

13. सुभाषचन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को हुआ। ये भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी तथा सबसे बड़े नेता थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए उन्होंने जापान के सहयोग से आजाद हिंद फौज का गठन किया था। इनके द्वारा दिया गया नारा 'जय हिन्द' था। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में लोगों को आश्वासन दिया कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा।

    सुभाषचन्द्र बोस का जीवन साहस, आत्मसम्मान और देशभक्ति का अद्‌भुत उदाहरण है। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन को एक नई दिशा दी और लोगों में आजादी के लिए लड़ने के लिए जोश भरा। सुभाषचन्द्र बोस का मानना था कि आजादी बिना संघर्ष के सम्भव नहीं है। इस प्रकार नेताजी ने भारतीयों को आत्मनिर्भर बनने की शिक्षा दी और बताया कि जब इरादा मजबूत हो तो हर बाधा को दूर किया जा सकता है।

14. महान व्यक्तियों की मूर्तियाँ लोगों को प्रेरणा देती हैं और उन्हें अच्छे काम करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं तथा ये मूर्तियाँ उन लोगों के प्रति सम्मान प्रकट करती हैं जिन्होंने समाज और देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। ये मूर्तियाँ लोगों को महत्वपूर्ण घटनाओं और व्यक्तियों की याद दिलाती हैं।

15. यदि हमारा देश अंग्रेजों से स्वतंत्र न होता तो आज भी हम अंग्रेजों की गुलामी करते रहते और देश इतना आगे बढ़ ही नहीं पाता।

16. बच्चे देश में शिक्षा और जागरूकता पैदा कर लोगों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जानकारी देकर देश के विकास में अपना योगदान दे सकते हैं।

17. सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को हुआ था। सरदार पटेल एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा आजाद भारत के पहले उपप्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री थे। स्वतंत्रता की लड़ाई तथा रियासतों के विलय में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कर्तव्यनिष्ठ तथा मजबूत इरादों के व्यक्तित्व के कारण उन्हें भारत का ''लौहपुरुष'' भी कहा जाता है।

    सरदार वल्लभभाई पटेल को सन् 1991 में मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत-रत्न' से सम्मानित किया गया।

भाषा की बात–

1. होनहार। 2. मीठा।

10. दोहे और पद

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स), 2. (अ), 3. (ब), 4. (ब), 5. (अ)।

सोचो और लिखो–

सही उत्तर चुनो–

1. (स), (ब)।

मिलान करो–

1. (ब), 2. (स), 3. (अ)।

सही सुमेलन कीजिए–

1. (iii), 2. (v), 3. (i), 4. (ii), 5. (iv).

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) सिल, (ख) संतन, (ग) साँवरी, (घ) च्यारां, (ङ) सिगनल।

उचित शब्द चुनकर रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए–

1. घर 2. छूतां 3. मेह 4. धरा 5. अधर।

आओ बात करें–

1. सिग्नल अंग्रेजी शब्द है जिसका अर्थ है- संकेत।
2. दादू के दोहों से गुरु के ज्ञान की महिमा को तथा मीरा के पद से श्रीकृष्ण के प्रति मीरा की भक्ति-भावना को समझा।
3. छिलकों का ढेर चरखी करती है।
4. ये प्रश्न पूछता–

   कबीर से– ज्ञान क्या होता है?

   दादू से– दान का हमारे जीवन में क्या महत्व है?

   मीरा से– प्रेम कैसा होता है?
5. सरोवर, वृक्ष, संतजन और मेह ये चारों परोपकार के लिए ही प्रकट हुए हैं।
6. मीरा ने कृष्ण की सुंदर मनमोहनी छवि का वर्णन किया है।
7. ज्ञान का दीप जलाना उत्तम है।
8. हाँ, अभ्यास से हर कठिन कार्य को सरल बनाया जा सकता है। छात्र अपने अनुभव स्वयं लिखें। जैसे– गणित का निरंतर अभ्यास करने पर मुझे गणित के सवाल हल करना सरल लगने लगा।
9. श्रीकृष्ण के अधरों पर अमृत रस बरसाने वाली मुरली सुशोभित होती है।

रचनात्मक चिंतन–

1. इंजन सिग्नल की बात इसलिए मानता है, ताकि आगे होने वाली घटनाओं या परेशानियों से यात्रियों को बचाया जा सके। इसी प्रकार व्यक्ति को भी आग्रह करने, मान-सम्मान से निमन्त्रण देने पर ही दूसरों के घर जाना चाहिए।
2. जीवन में ज्ञान एवं दान का बहुत महत्व है। ज्ञान की प्राप्ति से जीवन का विकास होता है, ताकि वह जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बन सके। इसलिए ज्ञान का दीप जलना तथा दान से पुण्य कमाना चाहिए।
3. रहट और चरखे दोनों घूमते हैं, परन्तु रहट के घूमने से पानी खेतों तक पहुँचता है और वह हरा-भरा बन जाता है। दूसरी ओर चरखे के घूमने से छिलकों का ढेर लग जाता है। आशय यह है कि एक के घूमने में सार्थकता है तो दूसरे में निरर्थकता।
4. अभ्यास हमारे जीवन में महत्वपूर्ण है, चाहे वह खेल हो, शिक्षा हो या कोई रुचि। जितना अधिक हम अभ्यास करते हैं, हम कार्य करने और समस्याओं को हल करने में उतने ही बेहतर हो जाते हैं। (अपने जीवन किसी घटना का वर्णन छात्र स्वयं करें।)
5. 'करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान' का अर्थ है– लगातार यदि प्रयत्न किया जाए तो मूर्ख व्यक्ति भी सुजान यानी बुद्धिमान हो जाता है।
6. छात्र स्वयं करें।
7. दादू के अनुसार सभी को यत्न करना चाहिए कि गुरु के ज्ञान-दीप से अपना आत्म-ज्ञान दीप जलाएँ।
8. मीरा के प्रभु संतों को सुख देने वाले हैं और भक्तों के लिए शरणागतवत्सल हैं।

भाषा की बात–

नीचे दिए गए विशेषण शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करें–

1. भक्तवत्सल, 2. वृद्धिमान, 3. दान, 4. अविनाशी।

नीचे दिए गए शब्दों को सही क्रम में लगाकर वाक्य बनाइए–

1. निरंतर अभ्यास सफलता दिलाता है।
2. भला सबको करना चाहिए।
3. कृष्ण को मीरा आराध्य मानती थी।
4. अभ्यास से जड़मति बुद्धिमान बनता है।

यह भी करें–

1. छात्र स्वयं करें।
2. बिना मान के दूसरों के घर पैर रखने से व्यक्ति का सत्कार नहीं किया जाता, जिससे उसके सम्मान में गिरावट आती है। जिस प्रकार सिग्नल मिलने पर ही इंजन आगे बढ़ता है, उसी प्रकार मान-मनुहार होने पर ही व्यक्ति को दूसरों के घर पैर रखना चाहिए।

11. पिकनिक

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स), 2. (स), 3. (अ), 4. (द), 5. (स)।

आओ बात करें–

उचित शब्द चुनकर रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए—

1. परेशानी, 2. चुप, 3. मदद, 4. ध्यान, 5. सहमति।

सही सुमेलन कीजिए—

1. (iii), 2. (v), 3. (i), 4. (ii), 5. (iv).

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

1. पिकनिक के बारे में।
2. सगुन और गुनगुन की पापा से पिकनिक पर जाने को लेकर बातचीत हुई जिसमें उन्होंने गुनगुन को पिकनिक पर जाने से मना किया।
3. पिकनिक मॉनीटर सगुन थी।
4. यदि मैं गुनगुन की जगह होता तो पापा से पिकनिक पर जाने की इजाजत लेता। मैं कहता स्कूल के सब बच्चे जा रहे हैं, मैं भी जाऊँगा। यदि वो मुझसे कहते तुम छोटे हो परेशानी में पड़ जाओगे, इसलिए तुम नहीं जाना। मैं उन्हें बताता कि मेरी कक्षा के अन्य हमउम्र छात्र भी पिकनिक पर जा रहे हैं, फिर देखभाल के लिए हमारे अध्यापक जी भी रहेंगे। इस प्रकार की बातचीत करके मैं पापा की सहमति लेता।
5. शिक्षक सुरेश जी गुनगुन के पिता रमेश जी से मिलते हैं।
6. विद्यालय की बालसभा का फैसला सही था। मेरी राय के अनुसार, विद्यालय की ओर से गुनगुन के साथ अध्यापकों को एक सहायक भी भेजना चाहिए था जो उसकी ठीक से जिम्मेदारी रखता। ऐसा करने से शायद और भी अच्छा रहता।
7. रमेश जी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि उनकी बेटी गुनगुन चल नहीं सकती है।
8. हाँ, एक बार जब मैं छोटा था तब मेरे पापा ने मुझे अकेले मेला जाने से मना किया था और मैं रोकर रह गया था। उस समय मुझे बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगा था।
   (बच्चे अपने अनुभव के अनुसार उत्तर दे सकते हैं।)
9. गुनगुन व्हील चेयर के बिना नहीं चल पाती है।

सोचो और लिखो–

1. सगुन गुनगुन को बिस्तर से उतारकर व्हीलचेयर पर पापा के कमरे की तरफ लेकर जाती है।
2. पापा गुनगुन को पिकनिक पर जाने से इसलिए मना कर रहे थे क्योंकि वह दिव्यांग थी।
3. दूसरा विद्यार्थी गुनगुन के बारे में बताता है कि गुनगुन के पापा चिंता कर रहे होंगे क्योंकि वह चल नहीं सकती, लेकिन वह हमारे साथ जाएगी और हम सब उसकी मदद करेंगे।
4. सभी बच्चों ने पिकनिक पर जाने से इसलिए मना कर दिया क्योंकि वे सबके साथ पिकनिक का आनंद लेना चाहते थे। अपने किसी भी साथी छात्र को छोड़ना नहीं चाहते थे।
5. तीसरे विद्यार्थी ने ऐसा इसलिए कहा कि यदि सब लोग घूमने जाएँगे और गुनगुन घर पर रहेगी तो उन्हें अच्छा नहीं लगेगा।
6. शिक्षक जी ने गुनगुन के पिताजी से उसके पिकनिक पर मना करने के बारे में पूछा। पिताजी ने गुनगुन की परेशानी की बात कही। इस पर गुरुजी ने उन्हें बच्चों द्वारा देखभाल रखने का आश्वासन दिया और बाहरी जीवन को पढ़ाई से जोड़ने की बात कही। अंततः गुनगुन के पिताजी सहमत हो गए।
7. सभी बच्चों ने इस बात पर सहमति जताई कि यदि गुनगुन नहीं जाएगी तो कोई नहीं जाएगा।
8. मेरे विद्यालय की बालसभा में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ होती हैं जिनका उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना होता है। इसमें भाषण, प्रश्नोत्तरी, नृत्य, संगीत, खेल और अन्य रचनात्मक गतिविधियाँ शामिल होती हैं।
9. गुनगुन को इसलिए सहायता की जरूरत पड़ती है क्योंकि वह विकलांग है और उसे चलने-फिरने में परेशानी होती है, यदि उसकी कोई मदद करता है तो ही वह व्हील चेयर पर बैठ सकती है। ऐसे में वह यही अनुभव करती होगी कि यदि मैं विकलांग न होती तो मुझे किसी का सहारा न लेना पड़ता। अब ये लोग जो मेरी सहायता कर रहे हैं, मैं इनका कर्ज कब और कैसे चुका पाऊँगी।

रचनात्मक कार्य–

1. छात्र स्वयं करें।
2. मेरे अनुसार, शायद वह अपने मन की उस बात के बारे में डायरी लिखती जिसमें उसके जीवन की विवशता छिपी थी। उसमें वह उन सब चीजों के बारे में लिखती जब उसे अपनी विकलांगता को लेकर मजबूरियों का सामना करना पड़ा और अपनी जिजीविषा और इच्छाशक्ति के बल पर उन स्थितियों पर विजय प्राप्त की। जैसे- बस में चढ़ना, उतरना, बच्चों के साथ खेलना-कूदना आदि।

भाषा की बात–

1. 1. क्या आपने अपना काम पूरा कर लिया?
   2. रवीश, रवि, रीना और रोहित पढ़ाई कर रहे थे।
   3. गुरुजी बोले, ''मेहनत का कोई विकल्प नहीं हो. ता।''
   4. राम बोला, ''अरे वाह! यह तो बहुत सुंदर चित्र है।''
   5. गुनगुन और सगुन खुशी-खुशी अपने कमरे में बैठी हैं।
2. 1. धीरे-धीरे – सर्प धीरे-धीरे अपने बिल में घुस गया।
   2. पास-पास – सगुन और गुनगुन दोनों पास-पास बैठी थीं।
   3. चलते-चलते – यात्री रास्ते में चलते-चलते थक चुका था।
3. (क) सुबह के समय आप क्या करते हैं?
   (ख) आपको पिकनिक जाने से किसने मना किया?
   (ग) आपको खेलना क्यों पसंद है?
   (घ) आपके मन में क्या चल रहा है?
4. दीपक दौड़ता हुआ आता है और कहता है, ''देखो दादाजी! ये इतने सारे लागे आपसे मिलने क्यों आ रहे हैं?'' तभी दादाजी कहते हैं, ''बेटा अगले माह विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं ना, इसीलिए चर्चा करने आ रहे हैं।'' दीपक दादाजी से पूछता है कि चुनाव क्या होते हैं? दादाजी उसे समझाते हुए कहते हैं कि बेटा! चुनाव में जनता अपने प्रतिनिधि चुनती है।

   प्रतिनिधि शब्द सुनकर दीपक कहता है, अच्छा और वह पुन: दादाजी से पूछता है कि प्रतिनिधि कैसे चुनते हैं? दादाजी ने बताया कि अपना मत देकर।

यह भी करें–

1. **पिकनिक की योजना**
   (साथियों के साथ)

   स्थान : भरतपुर का पार्क
   तिथि : रविवार; 2 जून
   समय : सुबह 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक
   सामग्री : खाने के लिए पूड़ी-सब्जी अन्य खाने-पीने का सामान, चटाई, खेलने के लिए बैट-बॉल आदि।
   रिया : भोजन
   तन्वी : चटाई
   आर्यन : खेल सामग्री

   (इसी प्रकार छात्र अपने स्थान व साथियों का चुनाव करें।)

2. **प्रतिवेदन**

   स्थान : जयपुर
   तिथि : 10 मई, 20__
   विवरण
   हमने आमेर किला, हवा महल और सिटी पैलेस देखा। स्थानीय बाजार से राजस्थानी हस्तशिल्प उत्पाद खरीदे। दाल-बाटी के पारंपरिक भोजन का आनंद लिया। यह यात्रा ज्ञानवर्धक और आनंददायक रही।

12. नन्हा ध्रुवतारा

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ), 2. (अ), 3. (ब), 4. (ब), 5. (अ)।

सोचो और लिखो–

1. (स), 2. (ब)।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. कंदील, 2. कागज, 3. ठोकर, 4. अंबर।

उचित शब्द चुनकर रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए–

1. कंदील, 2. पता, 3. दीया, 4. बात, 5. अपना।

मिलान करो–

1. (ग), 2. (क), 3. (ख)।

सही सुमेलन कीजिए–

1. (य), 2. (द), 3. (अ), 4. (ब), 5. (स)।

आओ बात करें–

1. कवि का कंदील सपनों का बना हुआ है।
2. मुझको यह कविता बहुत अच्छी लगी।

3. उजियारा अंबर में अच्छा लगता है।
4. सपनों का कंदील 'कामयाबी' को कहा गया है?
5. रंगीन सितारा ध्रुवतारा है।
6. यदि मुझे कोई बड़ा सपना देखना हो तो वह महान बनने का होगा।
7. पथिक को भटकने से ध्रुवतारा रोकेगा।
8. इस पंक्ति का अर्थ है कि कोई हमारे कामयाबी के सपनों के कंदील को ऊँचाइयों पर पहुँचा दे।
9. यदि मुझे धरती से एक वस्तु आकाश में भेजनी हो तो वह कंदील होगी क्योंकि वह अपने प्रकाश से धरती के अंधकार को नष्ट कर देगी।
10. कंदील अंधकार का विनाश करेगा।

रचनात्मक कार्य–

1. बाँस या माचिस आदि की कुछ तीलियाँ, थोड़ा-सा पतला कागज, एक दीपक और बाती आदि सामग्री के द्वारा एक सुन्दर और उड़ने वाला कंदील बनाया जा सकता है।
2. इस पंक्ति का अर्थ यह है कि जिन व्यक्तियों ने जीवन में जितनी अधिक ठोकरें खाई हैं, उन्हीं ने जीवन की सच्ची रोशनी को पहचाना है।
3. पाठ में कवि ने कंदील को सपनों का इसलिए माना है कि वह ऐसे कंदील के माध्यम से लोगों की सहायता करना चाहता है तथा उनमें जागृति लाना चाहता है। यह सब सपनों के कंदील से ही संभव हो सकता है।
4. इस पंक्ति का उपयोग किया है–

   दूर आ रहा होगा कोई, मेरे घर का पता पूछता।
   उसे भटकने से रोकेगा, यह मेरा रंगीन सितारा।
5. रंगीन सितारा ध्रुवतारे को कहा गया है क्योंकि यह उत्तरी ध्रुव आदि स्थानों पर रात्रि में नाविकों तथा पथिकों का अपने प्रकाश और दिशा से मार्गदर्शन करता है। इसकी चमक सूर्य से भी कई गुना अधिक मानी जाती है।
6. कोई बता दे दुखिया का घर,
   उसका बल बन जाऊँ मैं।
   अर्पण कर दूँ मैं तन-मन-धन,
   उसको सुख पहुँचाऊँ मैं।
7. - छोटे-छोटे सपने ही व्यक्ति को ऊँचाइयों तक पहुँचा सकते हैं जो सामान्य व्यक्ति के लिए प्रेरणा-स्रोत बनते हैं।
   - कवि कहता है कि छोटे-छोटे साधनों– माचिस की थोड़ी तीलियाँ, थोड़ा-सा कागज, एक दीपक और बाती के माध्यम से ही सामान्य जन अपने-अपने सपनों के कंदील यानी लक्ष्य का निर्माण कर सकते हैं और उन्नति कर सकते हैं।
   - कवि कहता है जिसने जीवन में कठिनाइयों का सामना किया है। जो अंधकार से गुजरे हैं उन्हीं ने प्रकाश के महत्व को पहचाना है और जिन्होंने संघर्ष किया है वही सफल हो पाए हैं और समाज के लिए ध्रुवतारे की तरह प्रेरणास्रोत बने हैं।
8. ध्रुवतारा को उत्तरी तारा भी कहा जाता है। यह उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है। यह लगभग 434 प्रकाश वर्ष दूर है। यह आकाश में लगभग एक ही स्थान पर स्थिर रहता है।

   पौराणिक कथा के आधार पर ध्रुव की तपस्या से प्रसन्न होकर ईश्वर ने उसे आकाश में अमर तारा बना दिया।

कल्पना करो और संवाद बनाओ–

1. **ध्रुवतारा–** तुम आसमान में क्या देख रहे हो?

   मैं– मैं आसमान में तारों की पहचान कर रहा हूँ।

   ध्रुवतारा– तुम आसमान में कौन-कौन से तारों की पहचान कर रहे हो?

   मैं– मैं आसमान में सप्तर्षि तथा शुक्र तारों की पहचान कर रहा हूँ।
2. 1. धरती से क्या अच्छा लगता है?
   2. कंदील को सपनों का क्यों कहा गया है?
   3. कंदील कैसे बनता है?
   4. ध्रुवतारा कहाँ दिखलाई देता है?
   5. व्यक्ति ध्रुवतारा के समान कब बनता है?

भाषा की बात–

1.

संज्ञा शब्द	सर्वनाम शब्द
(क) तीलियाँ, अँधेरा	–
(ख) दीपक	उसने
(ग) ध्रुवतारा	–
(घ) सपना	मेरा

2. (क) दीपक जल रहे हैं।
   (ख) ये सितारे चमक रहे हैं।
   (ग) तीली टूट गई।

3. (क) लड़की पढ़ रही है।
   (ख) गायक गाना गाता है।
   (ग) बच्ची खेल रही है।

यह भी करें–

1. छात्र कंदील या तारों का चित्र स्वयं बनाएँ।
2. प्रत्येक व्यक्ति अपनी कर्मशीलता एवं तपस्या के आधार पर यश एवं उच्च पद प्राप्त करता है। जो व्यक्ति इस संसार में जितनी परेशानियाँ सहन करता है उसमें उतना ही निखार आता जाता है। अन्त में वह ध्रुवतारा के समान चमकने लगता है।

आकलन (III)

मौखिक अभिव्यक्ति–

1. सरदार वल्लभ भाई पटेल भारत के स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता और गृहमंत्री थे। उन्होंने 562 रियाशतों का एकीकरण कर भारत को एक अखण्ड राष्ट्र बनाया। उन्होंने खेड़ा और बारडोली सत्याग्रह में किसानों का नेतृत्व किया और गाँधीजी के निकट सहयोगी रहे। स्वतंत्रता के बाद उन्होंने देश में एकता, प्रशासन और कानून व्यवस्था स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। उनकी स्मृति में चित्र में दर्शायी गयी ''स्टैच्यू ऑफ यूनिटी'' बनायी गई है।
2. यहाँ एक ग्रामीण परिवेश का चित्र दिखाया गया है। एक बैल गाड़ी में जुता हुआ है जो कृषि कार्यों में भार ढोने में मदद करता है। गाय घास चर रही है। एक सुंदर घर दिखाया गया है जो हरे-भरे खेतों के बीच में है। यहाँ पर एक महिला नाँद में पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था कर रही है। एक महिला घर की ओर किसी काम से जा रही है। एक व्यक्ति खेतों में खाद डालने जा रहा है।
   आसमान में सूरज निकला हुआ है। पक्षी उड़ रहे हैं आकाश में बादल भी छाए हुए हैं। खेतों में सिंचाई का काम ट्यूबवेल से किया जा रहा है।
   मैं एक गाँव का रहने वाला हूँ । मेरे गाँव में ऐसी ही हरियाली चारों ओर छायी रहती है। लोग सुबह से पशुओं के चारे-पानी की व्यवस्था में लग जाते हैं। फिर खेतों से जुड़े काम करते हैं। मुझे ग्रामीण वातावरण बहुत रमणीय लगता है।

पढ़कर समझना–

1. ● छोटे-छोटे सपने ही व्यक्ति को ऊँचाइयों तक पहुँचा सकते हैं जो सामान्य व्यक्ति के लिए प्रेरणा-स्रोत बनते हैं।
   ● कवि कहता है कि छोटे-छोटे साधनों– माचिस की थोड़ी तीलियाँ, थोड़ा-सा कागज, एक दीपक और बाती के माध्यम से ही सामान्य जन अपने-अपने सपनों के कंदील यानी लक्ष्य का निर्माण कर सकते हैं और उन्नति कर सकते हैं।
   ● कवि कहता है जिसने जीवन में कठिनाइयों का सामना किया है। जो अंधकार से गुजरे हैं उन्हीं ने प्रकाश के महत्व को पहचाना है और जिन्होंने संघर्ष किया है वही सफल हो पाए हैं और समाज के लिए ध्रुवतारे की तरह प्रेरणास्रोत बने हैं।
2. **अर्थ–** कबीरदास जी कहते हैं कि जब मैं बुरा व्यक्ति ढूँढ़ने के लिए निकला तब मुझे कोई भी बुरा नहीं मिला। लेकिन जब मैंने अपने दिल के अंदर झाँककर देखा तो मुझसे बुरा कोई भी नहीं मिला।
3. **अर्थ–** रहीमदास जी कहते हैं कि प्रेम के धागे यानी रिश्तों को जल्दबाजी में तोड़ देना उचित नहीं है। यदि ये एक बार टूट जाते हैं तो पुन: जोड़ने में कठिनाई होती है और यदि जुड़ भी जाते हैं तो उनके बीच गाँठ पड़ जाती है अर्थात् रिश्तों में वह मधुरता नहीं रहती।

भाषा की बात–

दिए गए वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए–

1. होनहार।
2. मीठा।

नीचे दिए शब्द युग्मों का उपयोग करके वाक्य बनाइए–

● **फल-फूल–**पेड़ों में कुछ दिन में ही फल-फूल आने शुरू हो गए।

● **कीड़े-मकोड़े–**बरसात के दिनों में कीड़े-मकोड़े अधिक देखने को मिलते हैं।

● **चावल-दाल–**सुशील खाने में दाल-चावल ज्यादा पसंद करता है।

● **आटा-नमक–**गृहस्थी में आटा-नमक तो होना जरूरी है।

● **घी-रोटी–** रामू का घी-रोटी बगैर पेट नहीं भरता।

3. भला आदमी — मोटी गाँठ
   गहरा तालाब — चमकीला हीरा
   घना पेड़ — कच्चा धागा

4.

विशेषण शब्द	वाक्य में प्रयोग
अच्छी	रात को नींद अच्छी आती है।
गर्म	अधिक गर्म दूध नहीं पीना चाहिए।
कई	पाबूजी को कई व्यक्तियों ने घेर लिया।
बड़ा	उसके गाँव में एक बड़ा तालाब है।
परोपकारी	पेड़ परोपकारी होते हैं।
मेहनती	रमा बहुत मेहनती है।
दयालु	वह आदमी बड़ा दयालु था।

5. (क) निरंतर अभ्यास सफलता दिलाता है।
   (ख) सबको भला करना चाहिए।
   (ग) मीरा कृष्ण को अराध्य मानती थी।
   (घ) जड़मति अभ्यास से बुद्धिमान बनता है।

सोचो और लिखो–

1. शिक्षक जी ने गुनगन के पिताजी से उसके पिकनिक पर मना करने के बारे में पूछा। पिताजी ने गुनगुन की परेशानी की बात कही। इस पर गुरुजी ने उन्हें बच्चों द्वारा देखभाल रखने का आश्वासन दिया और बाहरी जीवन को पढ़ाई से जोड़ने की बात कही। अंतत: गुनगुन के पिताजी सहमत हो गए।
2. सुभाषचन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को हुआ। ये भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी तथा सबसे बड़े नेता थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए उन्होंने जापान के सहयोग से आजाद हिंद फौज का गठन किया था। इनके द्वारा दिया गया नारा 'जय हिन्द' था। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में लोगों को आश्वासन दिया कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा।
3. श्रीकृष्ण भक्तों को सुख देने वाले हैं और भक्तों के लिए शरणागत वत्सल हैं। इसलिए कृष्ण को भक्त वत्सल कहा गया है।
4. रात में भटकने से रोकने वाला रंगीन सितारा ध्रुवतारा है।
5. पिकनिक पाठ में सगुन को छात्र नायक (मॉनिटर) बनाया गया। उसे पिकनिक पर जाने वाले छात्रों की सूची बनाने का काम सौंपा गया।
6. मेरे विद्यालय की बालसभा में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ होती हैं। जिनका उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना होता है। इसमें भाषण, प्रश्नोत्तरी, नृत्य, संगीत, खेल और अन्य रचनात्मक गतिविधियाँ शामिल होती हैं।

13. तनु का पत्र

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (द), 2. (अ), 3. (स), 4. (अ), 5. (द)।

रिक्त स्थान पूर्ति–

1. विद्यालय, बदलाव। 2. कारीगर, आसानी। 3. मूर्तियों, ढाँचे। 4. दीवाली, मिट्टी। 5. मोहनलाल जी, राष्ट्रपति।

सुमेलन–

(i) (घ), (ii) (क), (iii) (ख), (iv) (ङ), (v) (ग)।

आओ बात करें–

1. नई प्राचार्य अजमेर से आई हैं।
2. अपने भ्रमण के विषय में बताने के लिए तनु ने मामीजी को पत्र लिखा।
3. मिट्टी की कलाकृतियों को टेराकोटा के नाम से जाना जाता है।
4. मोलेला गाँव मिट्टी की कलाकृतियों के लिए बहुत प्रसिद्ध है।
5. तनु को मिट्टी से बनी सैकड़ों कलाकृतियों को निहारने में बहुत आनंद आया।
6. तनु ने मामीजी को विद्यालय भ्रमण के विषय में बताया कि वह प्राचार्य के साथ मोलेला गाँव गई, वहाँ की मिट्टी की कलाकृतियाँ प्रसिद्ध हैं। वहाँ के मोहनलाल जी को राष्ट्रपति से पुरस्कार मिला आदि जानकारियाँ दीं।
7. मिट्टी के बर्तनों के बाद सबसे अधिक बिक्री मूर्तियों की होती है।
8. यदि मैं पत्र लिखूँगी तो अपने मामाजी को लिखूँगी और उन्हें अपने विद्यालय में वार्षिक समारोह पर होने वाले विविध कार्यक्रमों और पुरस्कार वितरण के विषय में बताना चाहूँगी।

9. मूर्तियों में रंग भरना बाकी था।

10. ● मिट्टी के बर्तन पर्यावरण के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। वे प्लास्टिक और धातु के बर्तनों की तुलना में अधिक टिकाऊ, पर्यावरण के अनुकूल और स्वास्थ्यवर्धक होते हैं।

● मिट्टी के बर्तनों को बनाने के लिए कम संसाधन की आवश्यकता होती है।

● मिट्टी के बर्तनों से अपशिष्ट कम होता है, क्योंकि वे जल्दी नष्ट होकर मिट्टी में मिल जाते हैं।

● मिट्टी के बर्तनों का उपयोग करके हम प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण कर सकते हैं।

11. बच्चे मूर्तियाँ बनाने में रुचि नहीं रखते हैं।

सोचो और लिखो–

1. प्राचार्य ने पिछली बाल सभा में कहा था, ''पढ़ाई जितनी कक्षा के भीतर होती है उतनी कक्षा के बाहर भी।''

2. तनु ने बताया कि मोलेला गाँव की मिट्टी की कलाकृतियाँ बहुत प्रसिद्ध हैं। उन्हें टेराकोटा कहा जाता है। मोलेला में मिट्टी के अनेक प्रकार के बर्तन भी बनाए जाते हैं। साथ ही अपने सजाने के लिए अनेक प्रकार के मिट्टी के जानवर भी बनाए जाते हैं। इनके अतिरिक्त मिट्टी की मूर्तियाँ भी बनाई जाती हैं। वहाँ के लोगों ने उन्हें बताया कि बरसात के दिनों में यह काम करना बहुत कठिन हो जाता है। वर्तमान समय में इस व्यवसाय से जीवन-यापन करना कठिन होता जा रहा है। भावी पीढ़ी इस कार्य में कोई रुचि नहीं लेती है। अत: वहाँ के बुजुर्ग परेशान हैं कि कहीं लोग यह कला भूल ही ना जाएँ।

3. तनु की नई प्रिंसिपल अजमेर से हैं। उसके विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ कई रोचक गतिविधियाँ भी करवाई जाती हैं।

4. मोलेला गाँव के बुजुर्ग इसलिए चिंतित हैं, क्योंकि उनकी भावी पीढ़ी पढ़ाई पर तो ध्यान देती है, किंतु उन लोगों का रुझान इस कला और उनके पैतृक व्यवसाय की ओर नहीं है। उनको भय है कि उनकी आने वाली पीढ़ी इस कला को भूल ही न जाए। हाँ, उनकी चिंता सही है क्योंकि यह केवल उनका व्यवसाय ही नहीं अपितु परंपरागत कार्य भी है, इसी के कारण उनके गाँव की विशेष पहचान है। यदि वे यह कला ही भूल गए तो उनके गाँव को भी भुला दिया जाएगा।

5. जिन लोगों के घर सड़क के किनारे हैं, उन्हें अपने व्यवसाय में अधिक फायदा होता है, क्योंकि मोलेला गाँव के बीचों-बीच से सड़क होकर गुजरती है।

6. वहाँ के लोगों ने बताया कि इस कार्य के करने वालों का पिछले कुछ समय से केवल इस कला और व्यवसाय के ही सहारे जीवनयापन करना मुश्किल हो चला है। बरसात के दिनों में मिट्टी की वस्तुएँ बनाने का काम बिल्कुल ही कम हो जाता है। साल के कुछ समय ही भीड़-भाड़ ज्यादा होती है। दीपावली के त्योहार पर मिट्टी के दिए अधिक बिकते हैं तो वहीं नवरात्रि और गणेश-चतुर्थी जैसे त्योहार पर मूर्तियाँ अधिक बिकती हैं।

7. 1. राजस्थान 2. शाहपुरा, राजस्थान 3. रतनगढ़, राजस्थान 4. राजस्थान।

8. (i) मोलेला की मिट्टी की कलाकृतियाँ प्रसिद्ध हैं, जिन्हें 'टेराकोटा' के नाम से जाना जाता है।

(ii) इस गाँव के मोहनलालजी को राष्ट्रपति से पुरस्कार मिला है।

9. मोलेला में लोग मिट्टी की कड़ाही, तसली, भगौना, परात, ढक्कन से लेकर चकला-बेलन और तवा सब बनाते हैं। वे लोग घर सजाने के लिए, मिट्टी के ऊँट, बैल और घोड़े जैसे कई जानवर बनाते हैं।

10. **(i) बढ़ई** (लकड़ी का सामान) — घर की सजावट के लिए, फर्नीचर, सजावट का सामान सोने और आराम करने के लिए।

(ii) लुहार (लोहे के सामान) — बर्तन, पानी भरने के लिए, कपड़े रखने के लिए, अलमारी, दरवाजे, खिड़की घर की सुरक्षा के लिए।

(iii) सुनार (सोने और चाँदी के गहने, आभूषण) — पहनने के लिए, शरीर की सुंदरता बढ़ाने के लिए।

11. वहाँ के बुजुर्गों ने बताया कि जो बच्चे अभी कम उम्र के हैं उनका ध्यान पढ़ाई पर तो है, लेकिन वे मिट्टी के बर्तन, मूर्तियाँ आदि बनाने के काम में रुचि नहीं रखते हैं।

12. तनु ने बताया कि उसके विद्यालय की नई प्राचार्य अजमेर से हैं। वे बहुत मृदुभाषी और सरल हैं। उन्होंने हमारे विद्यालय में अनेक बदलाव किए हैं। वे हमारी बाल सभा में भी आती हैं। पिछली बाल सभा में उन्होंने कहा कि पढ़ाई केवल विद्यालय के भीतर ही नहीं होती अपितु विद्यालय के बाहर भी होती है। वे विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ रोचक गतिविधियाँ भी करवाती हैं।

13. तनु ने मोलेला गाँव में चाक चलते देखा। तेज गति से चलती चाक के ऊपर गीली मिट्टी रखी होती है, बस हल्के हाथों से उसे आकार देना होता है। यह काम इतना आसान नहीं होता है। लेकिन वहाँ के कुशल कारीगर इस काम को बहुत आसानी से कर लेते हैं।

14. तनु ने मिट्टी की मूर्तियों को अलग-अलग अवस्था में वहाँ रखी देखा जिनमें कुछ मूर्तियों के केवल ढाँचे तैयार करके रखे हुए थे। ये ढाँचे बाँस की लकड़ियों और पराली से बने हुए थे। इन पर अभी और काम किया जाना बाकी था। कुछ मूर्तियों में केवल रंग भरना बाकी था।

भाषा की बात–

1. **विशेषण**

   (i) मिट्टी की, बेहद प्रसिद्ध (ii) बीचों-बीच (iii) मिट्टी के बड़े।

2.

वाक्य	कर्ता	क्रिया	कर्म
सीमा ने रंगीन चित्र बनाए।	सीमा	बनाना	रंगीन चित्र
रामू ने सड़क पर एक पेड़ लगाया।	रामू	लगाना	सड़क पर एक पेड़
बच्चे पार्क में फुटबॉल खेल रहे हैं।	बच्चे	खेलना	पार्क में फुटबॉल
मदन ने बगीचे में फूल लगाए।	मदन	लगाना	बगीचे में फूल

रचनात्मक प्रश्न–

1. ईमेल, जिसे इलेक्ट्रॉनिक मेल भी कहते हैं, संचार का एक तरीका है, जो कम्प्यूटर नेटवर्क के माध्यम से डिजिटल संदेशों को भेजने और प्राप्त करने के लिए उपयोग किया जाता है।

2. 8 बी-रिंग रोड,
   अशोक नगर,
   जयपुर
   5 जून, 20 .....
   मेरे प्रिय मित्र
   शशांक।
   मुझे उम्मीद है कि यह पत्र आपको बहुत उत्साहित करेगा। मैं आपको हाल ही में उदयपुर की हमारी स्कूल यात्रा के विषय में बताना चाहता हूँ। यह एक अविस्मरणीय यात्रा थी, जो लुभावने दृश्यों और समृद्ध सांस्कृतिक अनुभवों से भरी हुई थी।
   उदयपुर, जिसे अक्सर 'झीलों का शहर' या 'पूर्व का वेनिस' कहा जाता है। यहाँ हम सिटी पैलेस गए। यह शिल्पकला का अद्भुत उदाहरण है। हमने पिछोला झील के पानी में सुंदर महलों और मंदिरों को देखा। पुराने शहर की खोज करना भी मजेदार था। हमने यहाँ पिछोला झील देखी और वहाँ नाव की सवारी करके बहुत मजे लिए।
   हमने पारंपरिक नृत्य देखे। कला और शिल्पकला के बारे में सीखा। कुल मिलाकर, उदयपुर अद्भुत था, मस्ती और सीखने के अनुभव से भरा हुआ।
   मैं चाहता हूँ, अगली बार आप-हम दोनों अपने परिवार के साथ उदयपुर घूमने चलें।
   आपका मित्र
   वैभव

3. छात्र अध्यापक/अभिभावक की सहायता से स्वयं करें।

4. प्रिय तनु

   खुश रहो, तुम्हारा पत्र मिला।

   मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि तुम इस बार विद्यालय भ्रमण के लिए मोलेला गाँव गईं। तुमने वहाँ से बहुत कुछ सीखा यह मुझे अच्छा लगा। मोलेला गाँव के विषय में इतनी सारी जानकारियाँ देने के लिए धन्यवाद। आशा करती हूँ, तुम ऐसी ही अच्छी-अच्छी और सीखने वाले स्थानों पर घूमने जाओगी और मुझे उन स्थानों की जानकारी दोगी। तुम्हारे अगले पत्र का इंतजार रहेगा।

   तुम्हारी मामी
   लता

यह भी करें–

1. फोन से पुलिस को

2. फोन से दमकल विभाग को
3. फोन से उसके परिवार व पुलिस को
4. निमंत्रण पत्र के द्वारा रिश्तेदारों को
5. फोन से 139 नं. पर रेलवे सुरक्षाबल को।

14. धरती धोरां री!

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ), 2. (ब), 3. (द), 4. (अ), 5. (स)।

पढ़कर जाने–

1. पंछी मधरा-मधरा बोलै,
2. मिसरी मीठै सुर स्यूं घोलै,
3. झीणूं बायरियो पंपोळै,
4. धरती धोरां री!

उचित शब्द चुनकर रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए–

1. देव रमण 2. कण-कण 3. चन्दो 4. तारा 5. बादलिया।

आओ बात करें–

1. कवि ने राजस्थान की धरती को 'धोरां री धरती' कहा है।
2. कविता में धोरों की धरती राजस्थान का यश स्त्री और पुरुष सुनाते हैं।
3. राजस्थान की धरती पर देवता रमण करने आते हैं।
4. धोरों की धरती के कण-कण को चमकाने वाला सूरज है।
5. बाजरा इशारा करके बुलाता है।
6. राजस्थान की धरती पर चन्द्रमा अमृत बरसाता है।
7. राजस्थान के फल-फूल बड़े मन-भावन हैं।

सोचो और लिखो–

1. कवि राजस्थान की भूमि पर मस्तक चढ़ाने की बात कह रहा है।
2. बादल : आकाश में काले-काले बादल छाए हैं।
   बिजली : वर्षा ऋतु में बिजली कड़कती है।
   पंछी : पंछी आकाश में उड़ते हैं।
3. बरसात आने पर चारों ओर हरियाली छा जाती है। वातावरण खुशनुमा हो जाता है। काले-काले बादल आकाश में छा जाते हैं। बादलों के बीच बिजली भी चमकती है। बादलों से गिरती हुई वर्षा की आवाज ऐसी लगती है जैसे घुँघरू बज रहे हों।
4. कवि मोतियों का थाल लेकर वीर सपूतों का स्वागत करने की बात कह रहा है।
5. कविता में झाला देकर मक्का बुला रही है।
6. 1. ई रा फल फुलड़ा मन भावण
   2. ई पर तनड़ो-मनड़ो वारां
7. प्रस्तुत कविता का मूलभाव वीर प्रसूता भूमि राजस्थान के गौरव का स्मरण कर इसके सभी अँचलों की विशेषताओं का उल्लेख करना है।

मेरी बात सबकी बात–

1. कवि राजस्थान की भूमि पर अपना तन और मन न्योछावर करना करना चाहता है। इतना ही नहीं, वह इस धरती पर अपना जीवन और अपने प्राणों को भी न्योछावर करना चाहता है।
2. सत = सत्य। ईं रा = इसका। तनड़ो = तन। मनड़ो = मन। फुलड़ा = फूल।
3. **आशय**—राजस्थान में रेत के टीलों से सज्जित धरती अपने सौन्दर्य में अनुपम है। इसके प्राकृतिक सौन्दर्य को देखकर स्वर्ग भी शरमाने लगता है। इसी कारण स्वर्ग के देवता भी इस धरती पर भ्रमण करने आते हैं।
4. कवि के अनुसार यहाँ घर-घर में फल-फूलों के वृक्ष लगे हुए हैं। दुधारू पशुओं की भरमार है। यह प्राकृतिक और पशु संपदा यहाँ के जन-जीवन को समृद्ध बनाए हुए है।
5. वर्षाकाल में यहाँ काले बादल गहराते हुए देखे जा सकते हैं। जब वर्षा होती है, तब ऐसा लगता है कि मानो घुँघरुओं की गमक (ध्वनि) सुनाई दे रही हो। आसमान में बिजलियाँ डोलती हुई चमकती हैं।
6. उक्त कथन में कवि ने राजस्थान के बैलों की विशेषता बताई है। नागौरी बैल पूरे राजस्थान में प्रसिद्ध हैं। नागौर का बैल समूचा तपन सहन करता हुआ दूसरों के हित में कार्य करता है।

रचनात्मक प्रश्न–

1. कवि इस धरती पर अपना तन-मन वार कर अर्थात् अपना सर्वस्व न्योछावर करना चाहता है। वह अपना जीवन, धन और प्राण भी न्योछावर करना चाहता है। वह चाहता है कि राजस्थान की यशरूपी ध्वजा सदैव आकाश में लहराती रहे। वह यहाँ की धूल को अपने मस्तक पर लगाना चाहता है। वह इसके सत्य की आन

और इसकी प्रतिष्ठा को सदा बनाये रखना चाहता है, और यदि इस पर कोई संकट आता है तो वह अपना मस्तक भी कटवाने के लिए भी तत्पर है।

2. रन में दप-दप बोले तलवार,
पनपन-पनपन तीर बोलत हैं,
महमह कहे अगिनिया बाण,
मरकट मुंड गिरे धरती पर।

3. 'धरती धोरां री' कविता में कवि ने राजस्थान की वीरप्रसूता भूमि के विविध स्वरूपों का भावपूर्ण चित्रण किया है। इसमें राजस्थान के विभिन्न अंचलों की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करते हुए यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य को बहुत ही सुन्दर ढंग से प्रस्तुत किया है। इस कविता में कवि का मातृभूमि के लिए भी सहज रूप से भाव व्यक्त किया गया है।

भाषा की बात-

1. लुळ-लुळ, मधरा-मधरा, आँगण-आँगण।
2.

शब्द	क्रिया
1.पंछी	(द) बोले
2.बाजरियो	(अ) लैरावै
3.मक्की	(ब) बुलावै
4. कुदरत	(स) लुटावै

3. 1. (iii), 2. (i), 3. (v), 4. (ii), 5. (iv).
4. 1. पंछी मधुर-मधुर नहीं बोलते हैं।
   2. कुदरत दोनों हाथ से लुटाती है।

यह भी करें-

1. कविता के अंत में कवि ने राजस्थान के प्रति मातृभूमि के अनुराग को व्यक्त करते हुए कहा है कि वह इसके सत्य की आन का निर्वाह करने का संकल्प लेता है। वह इसके प्राचीनकाल से चली आ रही मर्यादा का निर्वाह करेगा। इसकी इज्जत और गरिमा को कभी लज्जित नहीं होने देगा। कवि देशभक्ति की खातिर बलिदान एवं त्याग की भावना प्रकट करता हुआ कहता है कि इसकी आन-बान की रक्षार्थ यदि सिर भी भेंट में चढ़ाना पड़े तब भी वह उसे सहर्ष ही भेंट चढ़ा देंगे।
2. छात्र स्वयं करें।

15. पाँच तरीके

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (द)।

सोचो और लिखो-

1. ✓, 2. ✓, 3. ✓, 4. ×

संवाद के दौरान क्या होता है? उन पर सभी (✓) का निशान लगाइए।

1. ✓, 2. ×, 3. ✓, 4. ×

5. मुझे पहला सारांश अधिक सही लगता है।
6. (1) 1 व 4 अधिक उपयुक्त है।
   (2) 2 व 4 अधिक उपयुक्त है।

उचित शब्द चुनकर रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए-

1. टकराव, 2. सिंहासन, 3. जबरदस्ती, 4. संवाद, 5. दोस्त।

सही सुमेलित कीजिए—

1. (iii), 2. (ii), 3. (iv), 4. (i)

आओ बात करें-

1. झगड़ा निपटाने के तरीकों के बारे में।
2. रीना को झगड़ा निपटाने के तरीकों में से सबसे अच्छा तरीका बातचीत अर्थात् संवाद का लगा क्योंकि बातचीत से ही किसी झगड़े का स्थाई समाधान होता है और शत्रु के मन में हमारे प्रति द्वेष भाव भी खत्म हो जाता है।
3. समझौता करने का।
4. पहला तरीका आक्रमण करके शत्रु को जीतने का है, जबकि तीसरा तरीका झगड़े को टालने का है। इससे हमें यह समझ में आया कि आक्रमण करके युद्ध को जीतने या हारने की बजाय यदि उस युद्ध को टाल दिया जाए तो कुछ समय बाद विवाद अपने आप ही खत्म हो जाएगा और हम नुकसान से भी बच पाएँगे।
5. जब उन्हें कुछ अच्छा मिल रहा हो।
6. विद्यार्थी जीवन में अक्सर छोटी-छोटी बातों पर ही झगड़ा होता है। जैसे- किसी दूसरे विद्यार्थी की कोई वस्तु चुरा लेने पर, बातचीत के दौरान मन को ठेस पहुँचाने वाले शब्द कहने पर, खेल के दौरान आदि। ये झगड़े एक-दो दिन के लिए होते हैं। इन्हें आपसी

बातचीत से या मित्रों व अध्यापकों के सहयोग से सुलझा दिया जाता है।

7. आपसी बातचीत का।
8. आपसी बातचीत द्वारा मतभेद दूर करने के बाद।
9. रीना का अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ झगड़ा हो गया था और वह मन ही मन उससे बदला लेने के बारे में भुन-भुन कर रही थी।
10. रीना कल्पना करती है कि दुश्मन देश की सेना उसकी सेना से बहुत बड़ी है। वह शत्रु सेना के आगे हथियार डाल रही है। वह दूसरे देश की रानी के साथ झुक रही है।
11. रीना को तीसरा तरीका भी इसलिए अच्छा लगा क्योंकि कई बार ऐसा करना ही ज्यादा अच्छा होता है कि जोर-जबरदस्ती न करें, जिससे जन-धन की हानि को बचाया जा सके।
12. रीना कल्पना करने लगी कि दोनों रानियाँ बैठकर भाव-ताव कर रही हैं। जब दोनों को लगा कि कुछ अच्छा मिल रहा है तो समझौता हो गया। दोनों रानियाँ बहुत खुश नहीं हैं। मगर ये युद्ध में अपने सैनिकों को मरते देखने से तो अच्छा है।
13. 1. पहला तरीका – अमित रवि से माफी माँग ले, क्योंकि झगड़े की शुरुआत उसी ने की थी।
    2. दूसरा तरीका – इस झगड़े को टाल दिया जाए।
    3. तीसरा तरीका – आपसी बातचीत द्वारा झगड़े का निपटारा कर लिया जाए।
14. प्रस्तुत पाठ में मतभेद दूर करने के पाँच प्रमुख तरीकों के बारे में बताया गया है। किसी से मतभेद होने पर हम अपनी शक्ति का परिचय देते हुए उस पर आक्रमण भी कर सकते हैं अथवा समझौतावादी दृष्टिकोण भी अपना सकते हैं अथवा उस मतभेद को टाला भी जा सकता है, किन्तु इसका स्थाई समाधान तो आपसी बातचीत से ही संभव है। इसलिए हमेशा संवाद द्वारा ही विवाद को सुलझाने का प्रयास करें।

भाषा की बात–

1. **आशय–** इस मुहावरे का आशय है कि शत्रु को अधिक शक्तिशाली समझकर उसके सामने झुक जाना और उसकी अधीनता स्वीकार कर लेना।
2. अर्थ-हानि-लाभ का आकलन करना। झगड़े की अच्छाई-बुराई के विषय में सोचना।
3. 1. दुश्मन देश ने जब भारत पर हमला किया तो हमारी सेना ने ढाल बनकर देश के नागरिकों की रक्षा की।
   2. परीक्षा नजदीक आते ही विद्यार्थियों ने कमर कस ली।
   3. गुरु जी बहुत क्रोध में थे। उनके शांत होने पर तथा हवा का रुख पहचानकर ही मैंने उनसे बात की।
   4. घायल शत्रु को कभी हल्के में नहीं लेना चाहिए। वह फिर से बदला लेने के लिए पलटवार अवश्य करता है।
4. अमित और रवि अच्छे दोस्त थे, लेकिन एक दिन खेल के दौरान दोनों के बीच झगड़ा हो गया। झगड़ा इस बात पर शुरू हुआ कि क्रिकेट खेलते समय रवि ने अमित को आउट दे दिया, लेकिन अमित ने इसे गलत करार दिया, पहले बहस हुई फिर दोनों ने एक-दूसरे को धक्का दिया, जिससे रवि गिर गया और उसकी कोहनी छिल गई। रवि रोने लगा और गुस्से में अमित को धक्का देकर चला गया।

16. उत्सर्ग

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ), 2. (द), 3. (स), 4. (ब), 5. (ब)।

सोचो और लिखो–

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब), 2. (ब)

रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए–

1. मशगूल, 2. सिर पर पाँव, 3. आग्रह, 4. रक्त की धारा, 5. भाद्रपद शुक्ल दशमी।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. अमृता की तीनों पुत्रियों ने टीले पर पहुँचकर देखा कि राजा के लोग उनके गाँव के आस-पास लगे हुए खेजड़ी के हरे-भरे वृक्षों को काट रहे हैं।
2. खेजलड़ी गाँव जोधपुर की पूर्व दिशा में रेत के धोरों से घिरा एक सुंदर गाँव है।
3. अमृता व अन्य प्रकृति प्रेमियों के बलिदान के पश्चात प्रकृति और जीव-जन्तु स्तब्ध हो गए। वीरता और शौर्य के लिए प्रसिद्ध राजपूताना की धरती पर खून की नदियाँ बहने लगीं। प्रकृति मानो शोक में डूब गई। उनका बलिदान धरती की उस अनुपम छटा को अभी

भी निहार रहा था और खुद पर गर्व महसूस कर रहा था।

4. 363 लोगों ने बलिदान दिया।

5. खेजड़ली गाँव की घटना का जब राजा अभयसिंह को पता चला, तो उन्होंने इस घटना पर पश्चाताप किया और एक आदेश जारी किया कि विश्नोई बाहुल्य गाँवों में से कोई भी व्यक्ति ना तो हरे-भरे वृक्षों को काटेगा और ना ही जीव-जन्तुओं का शिकार करेगा।

6. उन्होंने विश्नोई बाहुल्य गाँवों में हरे वृक्ष न काटने का निर्णय लिया।

7. प्रस्तुत पाठ में प्रकृति व पर्यावरण के प्रति मानवीय लगाव को व्यक्त किया गया है। हरे-भरे वृक्ष केवल प्रकृति की ही शोभा नहीं बढ़ाते हैं, अपितु मनुष्य की जरूरतों को भी पूरा करते हैं, साथ ही उनमें भी प्राण होते हैं। विश्नोई समाज इसे अपनी आस्था का भी प्रतीक मानता है। यही कारण था कि खेजड़ी के हरे-भरे वृक्षों की रक्षा के लिए 363 लोगों ने अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। हमें भी पर्यावरण के संरक्षण व संवर्धन में अपना योगदान देना चाहिए।

8. **पर्यावरण प्रदूषण से बचने के उपाय—** पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए व्यक्तिगत तथा सामूहिक दोनों ही स्तरों पर प्रयास करने होंगे। व्यक्तिगत रूप में प्रदूषण के विभिन्न रूपों को जानकर उनसे बचाव के तरीके लागू करेंगे। सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करेंगे। जल संरक्षण और उसकी स्वच्छता का ध्यान रखेंगे। वृक्षारोपण करेंगे। प्रदूषण करने वाले उत्पादों का उपयोग नहीं करेंगे। सामूहिक रूप में स्वच्छता अभियान चलाएँगे। प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को नियंत्रित करेंगे। पर्यावरण सुरक्षा की जागरूकता पैदा करेंगे।

   इस प्रकार इन उपायों को अपनाकर हम सभी मिलकर पर्यावरण प्रदूषण को कम या रोक सकते हैं तथा एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज के निर्माण में योगदान दे सकते हैं।

9. हमें अमृतादेवी द्वारा पेड़ों को बचाने के लिए उनसे लिपट जाने की घटना वाला हिस्सा ज्यादा रोचक लगा क्योंकि यह घटना प्रकृति व पेड़ों के प्रति अमृता देवी के गहरे लगाव को व्यक्त करती है।

10. महाराजा को एक सुंदर महल बनवाना था इसलिए उनके सामने लकड़ी की समस्या आई। इसके लिए उन्होंने अपने सैनिकों को खेजड़ली गाँव में खेजड़ी की लकड़ियाँ काटने को भेजा।

11. उनके सामने खेजड़ी के हरे-भरे वृक्षों को बचाने की समस्या आई। आपसी बातचीत और राजा से शिकायत करके भी इस समस्या का समाधान संभव था।

आओ बात करें–

1. रामोजी।

2. महाराजा को एक सुंदर महल बनवाना था इसलिए उसके सामने लकड़ी की समस्या आई। इसके लिए उन्होंने अपने सैनिकों को खेजड़ली गाँव में खेजड़ी की लकड़ियाँ काटने को भेजा।

3. राजा के सिपाही।

4. उनके सामने खेजड़ी के हरे-भरे वृक्षों को बचाने की समस्या आई। आपसी बातचीत और राजा से शिकायत करके भी इस समस्या का समाधान निकालना संभव था।

5. 'जीव दया पालणी, रूखं लीलो नहीं घावै'।

6. अमृता के पति, पुत्रियों व समस्त गाँव वालों ने उसका साथ दिया।

7. प्रकृति प्रेमी विश्नोई पंथ के अनुयायियों ने।

8. यदि हम अमृता देवी की जगह होते तो अपने समुदाय के सभी लोगों को इकट्ठा कर अपनी बात राजा तक पहुँचाते और खेजड़ी न काटने का अनुरोध करते।

9. राजा के मंत्री गिरधरदास ने।

रचनात्मक प्रश्न–

1. अमृता का अटल इरादा था कि जब तक वह जीवित है, तब तक खेजड़ी के इन हरे-भरे वृक्षों को नहीं कटने देगी। उसने पेड़ों से लिपटकर अपने प्राणों का बलिदान दे दिया और अपने अटल इरादे को पूरा किया।

2. अमृता देवी व अन्य ग्रामवासियों द्वारा पेड़ों की रक्षा के लिए अपना बलिदान देने के कारण लेखक ने इस कहानी का नाम 'उत्सर्ग' रखा होगा क्योंकि उत्सर्ग का अर्थ है -बलिदान।

3. 'अनूठा बलिदान' शीर्षक भी इस कहानी के लिए उपयुक्त होगा क्योंकि पेड़ों की रक्षा के लिए ऐसा बलिदान पहले कभी नहीं दिया गया था।

4. इस पंक्ति से तात्पर्य है कि हमें जीव-जन्तुओं पर दया दिखानी चाहिए और हरे-भरे वृक्षों को प्राण देकर भी बचाना चाहिए।
5. हमें अमृतादेवी द्वारा पेड़ों को बचाने के लिए उनसे लिपट जाने की घटना वाला हिस्सा ज्यादा रोचक लगा क्योंकि यह घटना प्रकृति व पेड़ों के प्रति उनके गहरे लगाव को व्यक्त करती है।

भाषा की बात–

मिलान कीजिए–

1.-3., 2.-5., 3.-6., 4.-1., 5.-2., 6.-4., 7.-9., 8.-7., 9.-8.

यही सुमेलित कीजिए-पर्यायवाची शब्द

1. (ii), 2. (i), 3. (v), 4. (iii), 5. (iv).

मुहावरे

(i) **सिर पर पाँव रखकर भागना**-बहुत तेज दौड़ना।

वाक्य प्रयोग– महेश को जब पता चला कि परीक्षा शुरू होने में 10 मिनिट ही बचे हैं, तो वह परीक्षा केन्द्र की ओर 'सिर पर पाँव रखकर' भागा।

(ii) **प्राणों की आहुति देना–** अपने जीवन का बलिदान करना।

वाक्य प्रयोग-हमारे वीरों ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

(iii) **खून की नदियाँ बहना**-चारों ओर रक्त ही रक्त होना।

वाक्य प्रयोग– महाभारत के युद्ध में कौरव-पाण्डवों की सेनाओं के मध्य भीषण संघर्ष हुआ और खून की नदियों बहने लगीं।

(iv) **तिलमिला जाना**-गुस्से से लाल हो जाना।

वाक्य प्रयोग– रमेश ने एक चोर को चोरी छोड़ने की सलाह दी, तो वह यह सुनकर तिलमिला गया।

देशज शब्द

उजाड़, लिपटना, गाथा, इशारा, मशगूल, खेजड़ी।

विराम चिह्न

मयंक और काजल स्कूल जा रहे थे। तभी काजल का पैर कीचड़ से भरे गड्ढे में गया और काजल गिर पड़ी। मयंक बोला- अरे! ये क्या हुआ। काजल कराहते हुए उठी और बोली- "मैं तो सामने झाड़ी पर बैठी तितली देखने लगी और पता ही नहीं चला कि कब गड्ढा आया और गिर पड़ी सारे कपड़े ही खराब हो गए"। मयंक ने कहा "चलो, अब पहले इस गड्ढे को मिट्टी से भर देते हैं, नहीं तो कोई और भी गिर सकता है।" दोनों दोस्त मिलकर गड्ढे को भर देते हैं।

यह भी करें–

अध्यापक महोदय की सहायता से छात्र स्वयं करें।

आकलन (IV)

मौखिक अभिव्यक्ति–

1. छात्र स्वयं करें।
2. विद्यालय के अवकाश के बाद दीपक अपनी फुटबॉल लेकर खेलने के लिए घर से निकल पड़ता है। छोटे-से पार्क में वह अन्य बच्चों के साथ फुटबॉल खेलता है। दीपक द्वारा मारी गई किक से गेंद एक मकान की खिड़की में जाकर लगती है जिससे उसका शीशा टूट जाता है। शीशा टूटने की आवाज सुनकर मकान का स्वामी ऊपर से झाँकता है और बच्चों को डाँटता है। मकान के स्वामी की आवाज को सुनकर बच्चे डरकर भाग जाते हैं।
   दीपक घर पहुँचकर इस घटना को अपने माता-पिता से बताता है तो वे उसे आगे से ऐसी गलती न करने की सीख देते हैं। दीपक को भी अपनी गलती का एहसास हो जाता है।
3. छात्र स्वयं करें।

पढ़कर समझना–

1. महादेवी वर्मा ने लड़कियों की शिक्षा के लिए प्रयत्न किए।
2. उनकी प्रमुख रचनाएँ इस प्रकार हैं– नीहार, रश्मि, नीरजा, यामा, दीपशिखा आदि (काव्य संग्रह)।
   अतीत के चलचित्र, स्मृति की रेखाएँ, पथ के साथी तथा श्रृंखला की कड़ियाँ आदि (गद्य रचनाएँ)।
3. भारत सरकार ने महादेवी वर्मा को पद्मभूषण सम्मान से अलंकृत किया।

भाषा की बात–

1. 1. **ढाल बन जाना–**सुरक्षा कवच का काम करना।
   वाक्य-प्रयोग–भारतीय सैनिक देश की रक्षा के ढाल बने रहते हैं।

2. **कमर कस लेना**—तैयार होना।
   वाक्य-प्रयोग—सब छात्र परीक्षा के लिए कमर कस चुके हैं।
3. **हवा का रुख पहचाना**—मन के विचार समझना।
   वाक्य-प्रयोग—दारोगा जी की बातचीत से ही हवा का रुख समझ में आ गया और मैंने उनका वीडियो बना लिया।
4. **पलटवार करना**—बदला लेना।
   वाक्य-प्रयोग—सर्प को मरा जानकर दीना जैसे ही उसके पास बैठा, उसने पलटवार करके काट लिया।

2. 1. पानी ऐसे कुएँ का ही पीना चाहिए, जिसकी नियमित सफाई होती हो।
   2. बहुत दिनों बाद इस घर की सफाई अच्छे से की गई।
   3. सुरेश के बाग में अमरूद के बहुत सारे पेड़ लगे हुए हैं।
   4. नीता की मम्मी बहुत अच्छे गाने गाती हैं।

3.

शब्द	नया शब्द	वाक्य में प्रयोग
लेख	सुलेख	सुमन बहुत अच्छा सुलेख लिखती है।
ज्ञात	अ	यह कोई अज्ञात व्यक्ति लग रहा है।
मोल	अन	हीरा एक अनमोल रतन है।
विचार	सु	प्रार्थना के बाद हम सुविचार भी बोलते हैं।
चार	उप	सही उपचार मिलने से रमा ठीक हो गई।
सहमति	अ	मित्र से मुझे सदैव असहमति ही मिली।
देश	उप	उपासना सदैव उपदेश ही देती रहती है।

4.

स्तम्भ-1	स्तम्भ-2
1. प्रेम	3. घृणा
2. सूर्योदय	5. सूर्यास्त
3. गर्मी	6. सर्दी
4. अर्थ	1. अनर्थ
5. स्वीकृत	2. अस्वीकृत
6. सहित	4. रहित
7. हर्ष	9. शोक
8. कायरता	7. वीरता
9. अज्ञात	8. ज्ञान

सोचो और लिखो–

1. बरसात के आने पर वातावरण हरा-भरा हो जाता है। चारों ओर हरियाली छा जाती है। पेड़-पौधे खिल उठते हैं, मिट्टी की सोंधी खुशबू वातावरण को सुगंधित करने लगती है। यह वातावरण मन को ताजगी और सुंदरता से भर देता है।
2. मोलेला गाँव में मिट्टी की मूर्तियों के ढाँचे बाँस की लकड़ियों और पराली से निर्मित थे।
3. **भावार्थ—** राजस्थान की धरती पर अनेक तरह के पक्षी मधुर वाणी में बोलते हैं। उनकी मधुर बोली सबको आनंदित करती है।
4. टकराव टालने का सबसे सही तरीका आपसी संवाद करके गलतफहमियों को दूर करना है।
5. वृक्ष संरक्षण के लिए सुंदरलाल बहुगुणा ने 'चिपको आंदोलन' चलाया।
6. मोलेला गाँव के बुजुर्ग इसलिए चिंतित हैं, क्योंकि उनकी भावी पीढ़ी पढ़ाई पर तो ध्यान देती है, किंतु उन लोगों का रुझान इस कला और उनके पैतृक व्यवसाय की ओर नहीं है। उनको भय है कि उनकी आने वाली पीढ़ी इस कला को भूल ही न जाए। हाँ, उनकी चिंता सही है क्योंकि यह केवल उनका व्यवसाय ही नहीं अपितु परंपरागत कार्य भी है, इसी के कारण उनके गाँव की विशेष पहचान है। यदि वे यह कला ही भूल गए तो उनके गाँव को भी भुला दिया जाएगा।

●●